Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 204 पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 रायपुर, शुक्रवार 07 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

महुआ ने बदली महिलाओं की जिंदगी

वन धन योजना से मिली आत्मनिर्भरता की नई पहचान

रायपुर। जनजातीय कार्य मंत्रालय और ट्राइफेड की एक पहल है, जिसे 2018 में शुरू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य वनों से लघु वनोपज एकत्र करने वाले आदिवासी समुदायों को प्रशिक्षित करना, उनके उत्पादों का मूल्यवर्धन करना और उन्हें उद्यमी बनाकर स्थायी आजीविका प्रदान करना है। छत्तीसगढ़ के जंगलों में मिलने वाला महुआ अब ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं के लिए आय और आत्मनिर्भरता का मजबूत साधन बन गया है। राज्य शासन की वन धन विकास केंद्र योजना के माध्यम से महिलाओं को महुआ से मूल्यवर्धित उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे उनकी आमदनी बढ़ रही है और वे सफल उद्यमी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

राजनांदगांव जिले के कोरिनभाठा वन धन विकास केंद्र की महिलाओं ने इस योजना का पूरा लाभ उठाया है। पहले वे महुआ केवल संग्रह करती थीं, लेकिन अब प्रशिक्षण के बाद महुआ से लड्डू, कुकीज़, एनर्जी बार, स्क्वैश और अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार कर रही हैं। आधुनिक प्रसंस्करण और आकर्षक पैकेजिंग के कारण इन उत्पादों की बाजार में अच्छी मांग बन रही है।

प्रशासनिक सेवा जनविश्वास अर्जित करने का माध्यम, संवेदनशीलता और पारदर्शिता को बनाएं कार्यशैली का आधार

कर्तव्यनिष्ठ होकर जनसेवा एवं सुशासन के लिए जमीनी स्तर पर करें बेहतर कार्य: मुख्यमंत्री साय

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य प्रशासनिक सेवा के 2025 बैच के प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने नवचयनित अधिकारियों को उनके भावी प्रशासनिक दायित्वों के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवा में चयन होना उपलब्धि अवश्य है, लेकिन वास्तविक सफलता तब है जब अधिकारी अपने पद का उपयोग जनसेवा, सुशासन और समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए करें।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी शासन और जनता के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। उनके निर्णय, व्यवहार और कार्यशैली से आम नागरिक का शासन के प्रति विश्वास मजबूत होता है। इसलिए प्रत्येक अधिकारी को संवेदनशीलता, पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही को अपने कार्य का मूल आधार बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर काम करते समय जनता की अपेक्षाओं और स्थानीय परिस्थितियों को समझना अत्यंत आवश्यक है। अधिकारी यदि लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और समयबद्ध समाधान की दिशा में कार्य करें, तो प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास स्वत: बढ़ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। यहां प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा, वन संपदा, उर्वर भूमि और मजबूत ऊर्जा क्षमता उपलब्ध है। इन संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए राज्य को विकसित बनाने में प्रशासनिक अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में लंबे समय तक नक्सलवाद बड़ी बाधा रहा, लेकिन सुरक्षा बलों के साहस, केंद्र और राज्य सरकार की समन्वित रणनीति तथा जनविश्वास के कारण अब नक्सलवाद समाप्त हो चुका है। जिन क्षेत्रों में कभी विकास पहुंचना कठिन था, वहां अब सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि उन्हें विशेष रूप से दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में कार्य करने का अवसर मिलेगा। ऐसे क्षेत्रों में केवल प्रशासनिक दायित्व निभाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का भाव भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अधिकारियों को चाहिए कि वे शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने सुशासन के महत्व पर बल देते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रशासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की संवेदनशील पहल

बाल देखरेख संस्थाओं के अनाथ एवं निराश्रित बच्चों को कौशल, प्रशिक्षण और रोजगार से जोड़ने बैंकिंग और सामाजिक संस्थाओं का साझा प्रयास

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बाल देखरेख संस्थाओं में निवासरत अनाथ एवं निराश्रित बच्चों के पुनर्वास, कौशल विकास और आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय पहल की है।

इसी क्रम में उन्होंने अपने निवास कार्यालय में एक्सिस बैंक के भारत प्रमुख विजय तथा कैटलिस्ट फॉर सोशल एसोसिएशन की भारत प्रमुख स्मिता रांधे से मुलाकात कर बच्चों को व्यावसायिक प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और रोजगारोन्मुख अवसरों से जोड़ने के विषय पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक में एक्सिस बैंक के सी.एस.आर. फंड के माध्यम से बाल देखरेख संस्थाओं में रहने वाले बच्चों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने, कौशल आधारित प्रशिक्षण देने तथा उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए ठोस सहयोग पर विचार-विमर्श किया गया। यह पहल बच्चों को केवल संरक्षण तक सीमित न रखकर उन्हें सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन की दिशा देने का प्रयास है।

राजवाड़े ने कहा कि 'अनाथ और निराश्रित बच्चों को शिक्षा, कौशल और रोजगार से जोड़ना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हमारा प्रयास है कि बाल देखरेख संस्थाओं में रहने वाला प्रत्येक बच्चा आत्मविश्वास के साथ समाज की मुख्यधारा में आगे बढ़े। 'उन्होंने बताया कि लगभग एक वर्ष पूर्व सामुदायिक सहयोग से बाल संरक्षण एवं बाल देखरेख संस्थाओं में निवासरत बच्चों के सामाजिक पुनर्वास के लिए यह पहल प्रारंभ की गई थी। वर्तमान में प्रदेश के पांच जिलों में इसका सफल क्रियान्वयन किया जा चुका है। अब इसे विस्तार देते हुए राज्य के सभी जिलों में लागू करने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार, सामाजिक संस्थाओं, कॉरपोरेट क्षेत्र तथा औद्योगिक घरानों के सहयोग से बच्चों के समग्र विकास और प्रभावी पुनर्वास के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि बाल देखरेख संस्थाओं के बच्चों को कौशल विकास, डिजिटल प्रशिक्षण, रोजगार मार्गदर्शन और आत्मनिर्भर जीवन के अवसर उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर एक्सिस बैंक के भारत सी.एस.आर. प्रभारी, क्षेत्रीय प्रबंधक, संस्था से संचालक दीपेश, राज्य प्रमुख जिनेश तथा बैंक के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

SHORT NEWS

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के जैविक उत्पादों की राष्ट्रीय मंच पर गूंज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, महिला स्वसहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने तथा जैविक कृषि को प्रोत्साहन देने के प्रयास लगातार नई सफलताएं प्राप्त कर रहे हैं। इसी कड़ी में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन-बिहान के अंतर्गत गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के महिला स्वसहायता समूहों एवं किसान उत्पादक संगठन द्वारा तैयार किए जा रहे जैविक उत्पादों ने देश के सबसे बड़े एवं प्रतिष्ठित जैविक उद्योग व्यापार मेला एवं सम्मेलन 'बायोफैच इंडिया-2026' में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। नई दिल्ली में आयोजित इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला एवं सम्मेलन में जिले के प्रसिद्ध 'अरपा बिहान विष्णुभोग राइस' तथा 'केवची के जंगलों से संग्रहित प्राकृतिक शहद' का राष्ट्रीय स्टॉल में आकर्षक प्रदर्शन किया गया।

किसानों ने ड्रोन से खरपतवार नाशक का छिड़काव कर 40 हेक्टेयर में बचाया समय और श्रम

बलौदाबाजार। जिले के किसान अब खेती में तकनीक का इस्तेमाल कर आधुनिक खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इसी कड़ी में विकासखंड भाटापारा के ग्राम पाटन, धौरभठा और खोलवा के किसानों ने खेती में तकनीक का नया उदाहरण पेश किया है। यहां करीब 40 हेक्टेयर रकबे में किसानों ने ड्रोन के माध्यम से खरपतवार नाशक का छिड़काव करवाया।

पारंपरिक तरीके से इस रकबे में छिड़काव करने में 10 से 15 दिन लग जाते थे। ड्रोन की मदद से पूरा काम कुछ ही घंटों में पूरा हो गया। इससे किसानों के समय, श्रम और लागत तीनों की बचत हुई।ग्राम धौरभठा के किसान आलोक जायसवाल एवं खोलवा के कृषक गुड्डू चांडक ने बताया कि पहले 2से 3 एकड़ में छिड़काव करने के लिए 2 मजदूर पूरे दिन लगते थे। ड्रोन से 40 हेक्टेयर का काम एक दिन में हो गया। पानी भी कम लगी और पीठ पर टंकी ढोने की परेशानी नहीं रही। कृषि विभाग और स्थानीय कृषि तकनीक सेवा प्रदाता के सहयोग से ड्रोन को खेतों में उतारा गया।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने किया सम्मानित, 13,912 आवेदनों के सफल निराकरण से बनाया रिकॉर्ड

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से शासकीय सेवाओं को आमजन तक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से पहुंचाने की दिशा में लगातार उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। इसी कड़ी में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के सेवा सेतु केंद्र में कार्यरत वीएलई निर्दोष लकड़ा ने वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के टॉप ट्रांजैक्शन वीएलई बनने का गौरव प्राप्त किया है।

रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने निर्दोष लकड़ा को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से

आम नागरिकों तक गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध सेवाएं पहुंचाने में उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना है।

वर्ष 2025-26 के दौरान श्री निर्दोष लकड़ा ने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से 13,912 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल बलरामपुर-रामानुजगंज जिले को गौरवान्वित किया है, बल्कि प्रदेश में डिजिटल सुशासन की दिशा में एक नई मिसाल भी स्थापित की है। जिले में सेवा सेतु पोर्टल के प्रभावी संचालन के कारण अब ग्रामीण नागरिकों को आय, जाति, निवास, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र सहित अनेक शासकीय सेवाओं के लिए बार-बार जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। सेवाएं अब स्थानीय स्तर पर ही सहज, पारदर्शी और निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध हो रही हैं।

निर्दोष लकड़ा ने तकनीक का प्रभावी उपयोग, कार्य के प्रति समर्पण और जनसेवा की भावना के साथ हजारों ग्रामीण परिवारों तक सरकारी योजनाओं और सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की है। उनका सेवा केंद्र ग्रामीणों के लिए केवल एक सुविधा केंद्र नहीं, बल्कि भरोसेमंद समाधान का माध्यम बन चुका है। सम्मान प्राप्त करने के बाद श्री निर्दोष लकड़ा ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि तकनीक के माध्यम से प्रत्येक नागरिक का जीवन आसान बनाना है।

ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया ने समावेशी ग्रामीण विकास को आगे बढ़ाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के साथ की साझेदारी

रायपुर। छठे 'इंडिया रूरल कोलोक्वी' (भारत ग्रामीण संगोष्ठी) के छत्तीसगढ़ चैप्टर की शुरुआत इस ज़ोरदार अपील के साथ हुई कि छोटे किसानों और महिलाओं के नेतृत्व वाले संस्थानों को ग्रामीण बदलाव की नींव के तौर पर पहचाना जाए। टीआरआई और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच यह सहयोग पूरे राज्य में समावेशी और सामुदायिक नेतृत्व में होने वाले ग्रामीण विकास को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को मज़बूत करता है।

रायपुर में गोष्ठी का उ?द्घाटन करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार के मुख्यमंत्री के सचिव और 'गुड गवर्नेंस एंड कन्वर्जेंस' विभाग के सचिव, राहुल भगत ने कहा, 'छोटे किसान और स्वयं-सहायता समूहों की महिलाएँ ग्रामीण

बदलाव की असली प्रेरक हैं। पहला कदम उठाने का उनका साहस असंख्य लोगों को बदलाव लाने वाला (चेंजमेकर) बनने के लिए प्रेरित करता है।'

इस चर्चा में नया रायपुर के ट्राइबल रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, सामुदायिक नेताओं, नागरिक समाज संगठनों और विकास कार्यों से जुड़े लोगों को एक साथ लाने का काम किया गया। इससे पता चला कि कैसे मज़बूत ज़मीनी नेतृत्व, जवाबदेह संस्थान और सामुदायिक ज्ञान मिलकर ग्रामीण छत्तीसगढ़ के भविष्य को बेहतर बना सकते हैं। इस कार्यक्रम के दौरान 'ग्रीन इकोनॉमिक पाथवेज़ - छत्तीसगढ़' स्टडी रिपोर्ट भी जारी की गई, जिसमें जलवायु-अनुकूल और समावेशी ग्रामीण अर्थव्यवस्था निर्माण के तरीकों पर प्रकाश डाला गया।

ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, जिला स्तर के लिए चयनित होंगे प्रतिभावान खिलाड़ी

एमसीबी । शासन द्वारा जारी खेल कैलेंडर के परिपालन में विकासखंड मनेन्द्रगढ़ में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय (सेजस) मनेन्द्रगढ़ में किया गया। 03 अगस्त 2026 से प्रारंभ हुई प्रतियोगिता का 04 अगस्त 2026 को उत्साहपूर्ण वातावरण में समापन हुआ।

प्रतियोगिता में विकासखंड के विभिन्न जोन स्तर पर चयनित खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा, ऊर्जा, अनुशासन और खेल भावना का प्रदर्शन किया। ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला युवा एवं खेल अधिकारी विनोद जायसवाल, विकासखंड शिक्षा अधिकारी विपिन पाण्डेय, संकुल प्राचार्य संजीव कुमार एवं सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी रणधीर ठाकुर की गरिमामय उपस्थिति में किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में शारीरिक क्षमता के साथ-साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की क्षमता और टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों को परिणाम की चिंता किए बिना पूरी लगन और खेल भावना के साथ मैदान में उतरने तथा अपनी प्रतिभा का श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस वॉलीबॉल, कबड्डी एवं योग की विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। खिलाड़ियों ने इन खेलों में अपनी शारीरिक क्षमता, तकनीक और संतुलन का प्रदर्शन किया। वहीं प्रतियोगिता के अंतिम दिन खो-खो एवं शतरंज की स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा और रणनीतिक कौशल का परिचय दिया। प्रतियोगिता को अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग में विभाजित किया गया था। अलग-अलग आयु वर्गों के खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया। मैदान में खिलाड़ियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा देखने को मिली और प्रत्येक खिलाड़ी ने अपने खेल कौशल को बेहतर तरीके से प्रदर्शित करने का प्रयास किया। ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता से पहले विकासखंड के विभिन्न जोन में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन ब्लॉक स्तर के लिए किया गया। मनेन्द्रगढ़, बेलबहरा, बुंदेली, नागपुर, बिहारपुर एवं केल्हारी जोन के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल विधाओं में भाग लिया। जोन स्तर से चयनित होकर ब्लॉक स्तर तक पहुंचे खिलाड़ियों ने यहां अपने प्रदर्शन को और बेहतर करने का प्रयास किया। इससे विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा का अनुभव प्राप्त होने के साथ ही आगे जिला स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी मिला।

बलौदाबाजार की शिवांशी बनीं केसरवानी समाज की पहली कमर्शियल पायलट

बलौदाबाजार । बलौदाबाजार की 21 वर्षीय होनहार बेटी शिवांशी केसरवानी ने कमर्शियल पायलट लाइसेंस (सीपीएल) प्राप्त कर केसरवानी समाज की पहली कमर्शियल पायलट बनने का गौरव हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, समाज और पूरे जिले में खुशी का माहौल है। शिवांशी ने अमेरिका के कैलिफ़ोर्निया राज्य के सैक्रामेंटो स्थित एडवांस एविएशन सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त कर सफलतापूर्वक कमर्शियल पायलट लाइसेंस अर्जित किया। इसके साथ ही वे अब कैप्टन शिवांशी केसरवानी के नाम से जानी जाएंगी। विदेश में प्रशिक्षण से पहले उन्होंने मुंबई स्थित एक एविएशन प्रशिक्षण संस्थान में लगभग एक वर्ष तक वेदर, टेकऑफ, लैंडिंग, फ्लाइट सेफ्टी सहित विमानन के विभिन्न तकनीकी विषयों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कैप्टन शिवांशी, नितेश केसरवानी एवं भावना केसरवानी की सुपुत्री तथा नरेंद्र (नंदू) केसरवानी एवं शोभा केसरवानी की पौत्री हैं।

40 किलोलीटर जलागार और 150 घरेलू नल कनेक्शनों से ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

छुईखदान । लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत विकासखंड छुईखदान की ग्राम पंचायत आमगांव के आश्रित ग्राम बिड़ौरी में हर घर तक स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में किए गए कार्य ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से अब गांव के प्रत्येक परिवार को घर बैठे स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है, जिससे वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का स्थायी समाधान हुआ है। ग्राम बिड़ौरी में 40 किलोलीटर क्षमता की उच्च स्तरीय जलागार का निर्माण कर व्यापक पाइपलाइन नेटवर्क विकसित किया गया है। इसके माध्यम से गांव की 638 जनसंख्या वाले 150 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। नियमित जलापूर्ति से ग्रामीणों को अब स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल सहजता से उपलब्ध हो रहा है। योजना लागू होने से पहले महिलाओं और बच्चों को प्रतिदिन पेयजल के लिए दूरस्थ स्रोतों तक जाना पड़ता था।

'रामलला के दर्शन का अवसर मिलना सौभाग्य की बात'

रामलला के दर्शन का सपना हुआ साकार, 52 श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए रवाना

एमसीबी। किसी के लिए अयोध्या केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और प्रभु श्रीराम से जुड़ी भावनाओं का केंद्र है। वर्षों से मन में संजोए श्रीरामलला के दर्शन के सपने को साकार करने का अवसर जब मिला, तो मनेंद्रगढ़ के श्रद्धालुओं के चेहरे पर खुशी, उत्साह और भक्ति का भाव देखते ही बन रहा था। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी 'श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना' के तहत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले से चयनित 52 श्रद्धालुओं का दल विशेष रेल से

अयोध्या धाम की यात्रा के लिए रवाना हुआ। शासन की इस जनकल्याणकारी पहल ने जिले के श्रद्धालुओं को प्रभु श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन करने का अवसर उपलब्ध कराया है। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा और रामधुन, भजनों तथा 'जय श्रीराम' के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

जिले के नगरीय निकायों एवं जनपद पंचायतों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर कुल 57 श्रद्धालुओं की सूची तैयार कर छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड को प्रेषित की गई थी। इनमें से 52 श्रद्धालु अयोध्या यात्रा के लिए रवाना हुए। जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ से श्रद्धालुओं का दल बस के माध्यम से अंबिकापुर के लिए रवाना हुआ, जहां से विशेष रेल द्वारा श्रद्धालु अयोध्या धाम पहुंचेंगे। 05 से 08 जुलाई 2026 तक प्रस्तावित इस यात्रा में श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन, दर्शन, सुरक्षा एवं चिकित्सकीय सुविधाओं की समुचित व्यवस्था शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की गई है। यात्रा दल के साथ एस्कॉर्ट अधिकारी की तैनाती भी की गई है, जो यात्रा के दौरान व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करेंगे।

अयोध्या के लिए रवाना होते समय श्रद्धालुओं में गजब का उत्साह दिखाई दिया। किसी के हाथ में राम ध्वज था तो कोई भजन गुनगुना रहा था। श्रद्धालुओं ने कहा कि रामलला के दर्शन का अवसर उनके लिए जीवन का अविस्मरणीय अनुभव होगा। उन्होंने इस पहल के लिए छत्तीसगढ़ शासन और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने का सफर नहीं, बल्कि आस्था से अराध्य तक और मन की इच्छा से रामलला के दर्शन तक पहुंचने की यात्रा है। अयोध्या धाम पहुंचकर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन की कल्पना मात्र से ही श्रद्धालुओं के मन में श्रद्धा और उत्साह का भाव उमड़ रहा है।

'श्री रामलला दर्शन योजना' का उद्देश्य नागरिकों को धार्मिक यात्रा का अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें भारतीय संस्कृति, आस्था और आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ना भी है। अयोध्या धाम में श्रीरामलला के दर्शन श्रद्धालुओं के जीवन में आध्यात्मिक ऊर्जा, सकारात्मकता और आत्मिक संतोष का संचार करेंगे। यह पहल राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और नागरिकों को देश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

त्योहारों से पहले होटलों की स्वच्छता और खाद्य गुणवत्ता पर उठे सवाल, नियमित जांच की मांग

भाटापारा । जिस होटल रेस्टोरेंट मे नाश्ता या खाना खा रहे है उसमे कितनी साफ सफाई है रसोई की क्या स्थिति है कितना साफ रखा जा रहा है यह कोई नही जानता क्योंकि जागरूकता के तहत इसे जरूरी है क्योंकि दवाई हो या फिर कोई और चीज लेते हैं तो उसकी तो उसकी एक्सपायरी की जांच करना जरूरी होता है भाटापारा शहर मे छोटे बडे होटलों की संख्या करीब 100 से अधिक है वहीं करीब 10 से अधिक ऐसी होटलें है जहां लोग ज्यादा खाना खाने जाते हैं खाद्य एवं औषधि विभाग का आफिस बलौदाबाजार मे है और वे कब शहर की होटलो की जांच करते हैं या उनका क्या मापदण्ड है यह तय नही है ,वहीं इन होटलो मे व अन्य जगह कार्यवाई नही होने से भय भी नही रहता इसके साथ ही होटलो के अलावा 100 से अधिक ठेला व गुमटी मे चाट गुपचुप व अन्य सामग्री बनायी व बेची जाती है वहीं खाद्य सामग्री की बढती कीमतो के चलते क्वालिटी का ध्यान रखा जाता है या नही इसके बारे मे भी कुछ नही कहा जा सकता वहीं अगस्त का महिना शुरू हो गया और त्योहारों का सीजन भी शुरू हो गया है रक्षा बंधन के साथ तीज त्योहार शुरू हो चुके है खाद्य पदार्थ की क्वालिटी और उनकी गुणवत्ता पर कोई ध्यान नही है कई होटलो मे तो जिस कढाई मे या बरतन मे खाद्य सामग्री बनती है उसकी नियमित सफाई होती है या नही इस पर भी प्रश्न चिन्ह है पानी की टंकी सफाई कब हुई है इसकी भी पडताल आवश्यक है ।

सावन के पहले सोमवार पर बागेश्वर धाम के लिए निकली डाक कांवड़ यात्रा

राजनांदगांव । पवित्र सावन माह के प्रथम सोमवार पर जीवनदान सेवा संस्था के तत्वावधान में डाक कांवड़ यात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। मोहरा स्थित शिवनाथ नदी से जल लेकर श्रद्धालु बागेश्वर धाम के लिए रवाना हुए। संस्था लगातार चौथे वर्ष डाक कांवड़ यात्रा के माध्यम से बागेश्वर धाम में जलाभिषेक कर रही है।

यात्रा को विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्निहोत्री, हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक सुशील लड्ढा, जिला सक्षम केंद्र प्रभारी राजबहादुर सिंह तथा ह्यूमन ग्रुप के सीईओ अमर सिंह राजपूत ने सीटी बजाकर रवाना किया। श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव के जयघोष के साथ यात्रा प्रारंभ की।

संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि दूसरे सोमवार को डाक कांवड़ यात्रा का लक्ष्य मां पाताल भैरवी बर्फानी धाम रहेगा। यात्रा में युवाओं और बच्चों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही, जिससे पूरे मार्ग में धार्मिक उत्साह का माहौल बना रहा।

10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान का भव्य शुभारंभ, विकसित भारत की दिशा में सशक्त पहल

राजनांदगांव । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय एवं भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित देशव्यापी 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान का भव्य शुभारंभ 4 अगस्त को ब्रह्माकुमारीज के ज्ञान मानसरोवर परिसर में संपन्न हुआ। यह महाअभियान 6 अगस्त से 20 अगस्त 2026 तक पूरे देश में संचालित किया जाएगा, जिसके माध्यम से 10 करोड़ नागरिकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह अभियान ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की 19वीं पुण्य स्मृति को समर्पित है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी भ्राता

डॉ एन. आर. नवरतन जी ,नशा मुक्ति केन्द्र की नोडल अधिकारी डॉ निहारिका ,डॉ विकास विशिष्ट अतिथि राजयोगीभारत भूषण, पीयूष एवं सेवाकेन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी पुष्पाबहनजी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि युवाओं को नशे की लत से बचाना आज की सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने कहा कि नशामुक्ति केवल व्यक्तिगत संकल्प नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का आधार है। विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वस्थ, जागरूक और संस्कारवान नागरिकों की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यह महाअभियान जन-जन को नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने का कार्य करेगा।

शासकीय पॉलीटेक्निक जांजगीर में डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पंजीयन 8 अगस्त तक

जांजगीर-चांपा। शासकीय पॉलीटेक्निक जांजगीर में सत्र 2026-27 के लिए डिप्लोमा पाठ्यक्रमों प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत संस्था स्तर पर रिक्त सीटों के लिए चौथे चरण की काउंसिलिंग जारी है। प्राचार्य रामकृष्ण राठौर शासकीय पॉलीटेक्निक जांजगीर ने बताया कि संस्था में सिविल, इलेक्ट्रिकल, केमिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग शाखाओं का संचालन किया जा रहा है। प्रत्येक शाखा में 30-30 सीटों पर प्री-पॉलीटेक्निक टेस्ट पीपीटी के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। उन्होंने बताया कि सत्र 2026-27 के लिए काउंसिलिंग प्रक्रिया 11 जून 2026 से प्रारंभ हुई थी। तीन चरणों की काउंसिलिंग पूर्ण होने के उपरांत संस्था स्तर पर रिक्त 10 सीटों के लिए चौथे चरण की काउंसिलिंग हेतु ऑनलाइन पंजीयन 8 अगस्त 2026 तक किया जा रहा है। जिन अभ्यर्थियों ने प्री-पॉलीटेक्निक टेस्ट पीपीटी परीक्षा में सम्मिलित होकर अर्हता प्राप्त की है, वे 8 अगस्त 2026 तक संचालनालय तकनीकी शिक्षा, रायपुर की वेबसाइट **www.cgdte.admissions.nic.in** पर ऑनलाइन पंजीयन कर काउंसिलिंग के लिए अपनी पसंद के संस्थान एवं शाखा का विकल्प दर्ज कर सकते हैं।

सुविधाओं से लैस नए आधार सेवा केन्द्र का विधायक ने किया उद्घाटन

महासमुंद। जिले के निवासियों को शासकीय दस्तावेजों और पहचान पत्र से जुड़ी सुविधाओं को आसानी से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज जिला मुख्यालय महासमुंद में ग्राउंड फ्लोर, वार्ड नं 29, बरोडा चैक के पास नए आधार सेवा केंद्र का औपचारिक उद्घाटन संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा द्वारा फीता काटकर नए आधार सेवा केन्द्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, यूआईडीएआई के प्रोजेक्ट मैनेजर एवं बीएलएस इंटरनेशनल के रीजनल मैनेजर विशेष रूप से उपस्थित रहे। उद्घाटन के पश्चात अतिथियों ने केंद्र का निरीक्षण किया और उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं की सराहना की।

उद्घाटन अवसर पर अतिथि विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि इस केंद्र के शुरू होने से दूर-दराज और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले नागरिकों को काफी राहत मिलेगी और उन्हें भटकना नहीं पड़ेगा। कलेक्टर लंगेह ने कहा कि इससे शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। यूआईडीएआई प्रोजेक्ट मैनेजर एवं बीएलएस इंटरनेशनल के रीजनल मैनेजर ने केंद्र की कार्यप्रणाली और नागरिकों को दी जाने वाली उत्कृष्ट डिजिटल सेवाओं की जानकारी साझा की।

यह नवीन आधार सेवा केंद्र आधुनिक बुनियादी ढांचे से लैस है, जहाँ नागरिकों को एक ही छत के नीचे आधार नामांकन और अद्यतन की त्वरित व बाधा-रहित सुविधा मिलेगी। जिला व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिक अब कम समय

में अपने जनसांख्यिकीय (डेमोग्राफिक) विवरण और बायोमेट्रिक डेटा को अपडेट करा सकेंगे। केंद्र पर उपलब्ध मुख्य सेवाओं में नया आधार नामांकन, बच्चों और वयस्कों के लिए नया आधार कार्ड बनाना, बायोमेट्रिक अपडेट- फिंगरप्रिंट, आइरिस (आंखों की स्कैनिंग) और फोटो अपडेट (5 से 15 वर्ष के बच्चों के लिए अनिवार्य अपडेट सहित)। डेमोग्राफिक अपडेट- नाम, पता, मोबाइल नंबर और जन्मतिथि में सुधार या बदलाव। दस्तावेज अपलोड -पहचान और पते के प्रमाण हेतु आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन व अपलोड शामिल है।

आधार सुविधा केन्द्र सप्ताह के सातों दिन (सोमवार से रविवार) सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक खुलेगा। सेवा का लाभ लेने के लिए केन्द्र जाकर अथवा ऑनलाइन स्लॉट बुक करके लिया जा सकता है। स्थानीय निवासियों से अपील की गई है कि वे अपने आधार अद्यतन व नामांकन से जुड़े कार्यों के लिए इस नए केंद्र की सुविधाओं का लाभ उठाएं।

जिंदा महिला को कागजों में मृत बताकर हड़पी जमीन

सूरजपुर । वर्षों से चले आ रहे बहुचर्चित भूमि घोटाले में आखिरकार सूरजपुर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर झिलमिली थाना प्रभारी द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए तत्कालीन तहसीलदार, पटवारी सहित चार लोगों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। आरोप है कि ग्राम कोयलारी निवासी शैलकुमारी दुबे को कागजों में मृत दर्शाकर उनकी वैध भूमि का फर्जी नामांतरण कराया गया और बाद में उस जमीन का हिस्सा दान एवं बिक्री के माध्यम से दूसरे लोगों के नाम कर दिया गया। पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर क्रमांक 185/2026 में वीरेंद्रनाथ दुबे, तत्कालीन तहसीलदार संजय कुमार राठौर, तत्कालीन हल्का पटवारी इंजलीना भगत एवं कमलेश दुबे को आरोपी बनाया गया है। इनके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2) एवं 61(2) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर जावंगा में हुआ जिला स्तरीय अंतरिक्ष आउटरीच कार्यक्रम, प्रतियोगिताओं के विजेताओं का हुआ सम्मान

दंतेवाड़ा । राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2026 के अवसर पर एजुकेशन सिटी जावंगा स्थित आस्था विद्या मंदिर इंग्लिश मीडियम स्कूल में जिला स्तरीय अंतरिक्ष आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के रीजनल रिमोट सेंसिंग सेंटर, नागपुर के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीकॉस्ट), छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर, स्कूल शिक्षा विभाग एवं जिला प्रशासन दंतेवाड़ा के संयुक्त सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में इसरो के वैज्ञानिक डॉ. आनंद अरूर ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम, उपग्रहों, रॉकेट प्रक्षेपण मिशनों तथा अंतरिक्ष विज्ञान की उपलब्धियों पर प्रेरणादायी व्याख्यान दिया। वहीं सीकॉस्ट के वैज्ञानिक डॉ. एम.के. बैग ने नवाचार, वैज्ञानिक सोच और तकनीक आधारित विकास पर विद्यार्थियों को जानकारी दी। वही जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद ठाकुर एवं जिला मिशन

समन्वयक हरीश प्रताप गौतम ने विद्यार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर सैटेलाइट एवं रॉकेट मॉडल प्रदर्शनी, पोस्टर प्रदर्शनी, चित्रकला तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में गुज्जो रवीना ने प्रथम, अमित कुंजाम ने द्वितीय एवं इंद्रजीत चंदेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में नैतिक सिंह प्रथम, दीक्षा नेताम द्वितीय तथा अमन प्रसाद भूआर्य तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समन्वयक कमल कर्मकार, आस्था विद्या मंदिर के प्राचार्य रबीन्द्रनाथ पाणीग्राही, सह-समन्वयक वी.एस. ताती, कार्यक्रम प्रभारी अमुजुरी विश्वनाथ सहित जिले के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विधायक भोलाराम साहू ने कुदाली चलाकर 9.91 लाख

छुरिया । ग्राम आतरगांव, विकासखण्ड छुरिया में 9.91 लाख रुपये की लागत से धान खरीदी केंद्र में चबूतरा निर्माण के भूमि पूजन कार्यक्रम में खुज्जी विधायक श्री भोलाराम साहू जी शामिल हुए। विधायक श्री भोलाराम साहू जी ने विधिवत भूमि पूजन कर 9.91 लाख रुपये की लागत से बनने वाले चबूतरा निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा एवं धान खरीदी व्यवस्था को अधिक सुगम, व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर खुशबू डामन साहू (सरपंच), प्रताप धावड़े (ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, कुमरदा), सुरेश पटेल (सेक्टर प्रभारी), भालचंद साहू (अध्यक्ष, परिक्षेत्र साहू समाज), देवलाल कोलयारे (समिति प्रबंधक), केशव भाई, डाकेश्वर, निलेश्वर (उपसरपंच), ढालचंद, टुमेश्वर, डेरहा धनकर, मनखुशी साहू, टेनलाल (बूथ अध्यक्ष), डामन साहू, श्यामलाल, रिखीराम, शकुनतला वैष्णव, राजकुमारी, ललिता, सुशीला साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण, किसान एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन के लिए बनेगी विशेष योजना

सारंगढ़ बिलाईगढ़, । अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य सरकार धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत प्रदेश के 160 ग्रामों का चयन करेगी। निर्धारित प्रपत्र में दस्तावेज के साथ 10 अगस्त 2026 तक कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कोसीर रोड सारंगढ़ में जमा किया जाना है। इन ग्रामों में सामुदायिक वन संसाधन (सीएफआर) के संरक्षण, संवर्धन और प्रबंधन के लिए सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन योजना (सीएफआरएमपी) तैयार कर लागू की जाएगी। इस सम्बन्ध में आदिम जाति विभाग द्वारा कलेक्टरों को पत्र जारी किया गया है।

अभियान के अंतर्गत प्रत्येक ग्रामसभा को सामुदायिक वन संसाधन संरक्षण एवं प्रबंधन योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए 15 लाख रुपए की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। योजना के तहत प्रत्येक चयनित ग्रामसभा में सामुदायिक संसाधन प्रबंधन समिति का गठन किया जाएगा, जो ग्रामसभा के वन क्रियान्वयन और संचालन की जिम्मेदारी निभाएगी। इसके लिए ग्रामसभा के नाम पर राष्ट्रीयकृत बैंक में सिंगल करंट अकाउंट भी खोला गया है। पत्र के माध्यम से कहा गया है कि राज्य सरकार ने जिलों से ऐसे आदिवासी गांवों का चयन क्लस्टर आधारित और परस्पर जुड़े क्षेत्र के आधार पर प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए हैं, ताकि योजनाओं का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

महंगाई की मारः भाटापारा में चीनी 55 और गुड़ 70 रुपये किलो पहुंचा

भाटापारा । .गुड और शक्कर के दामो मे बीते 10 से 15 दिनो मे आयी भारी तेजी के चलते उपभोक्ताओं को अचम्भित और हैरानी मे डाल दिया है शक्कर की कीमत भी अर्ध शतक पार कर चिल्हर बाजार मे 55 रूपये किलो हो गया है वहीं गुड भेली वाला 70 रूपये एवं चट्टीवाला 65 रूपये किलो बिकने लगा है वहीं जुलाई माह से त्योहारो का सीजन शुरू हो जाता है जो दिपावली तक चलता है जिसके कारण शक्कर और तेल की खपत ज्यादा रहती है ज्ञात हो कि जो शक्कर बीते पन्द्रह दिन पहले 43 रूपये किलो था वह अचानक 55 रूपये हो जाय तो यह सोचनीय विषय हो जाता है, अचानक 12 रूपये किलो की वृद्धि का असर आम उपभोक्ताओं के बजट पर निश्चित रूप से पडेगा शक्कर के दाम बढने के पीछे क्या कारण है यह तो स्पष्ट नही है कि लेकिन शक्कर जहां से आता है वहां से आवक कम है और बढे हुए दाम मे मिल रहा है जिस हिसाब से उन्हे शक्कर थोक व्यापारियों से मिलता है उसी के हिसाब से चिल्हर मे आम उपभोक्ताओं को बेचा जाता है ,वही नवंबर महिने तक शक्कर,और गुड के दामो मे कोई कमी के आसार नजर नही आ रहे है क्योंकि जब तक गन्ने की नई फसल नही आ जाती तब तक कुछ कहा नही जा सकता कि आगे दामो की क्या स्थिति रहेगी ,वहीं दूसरी ओर इस बताया जाता है कि इस साल फसल कि स्थिति भी कमजोर रही है वही गन्ने का उपयोग एथेनॉल बनाने के लिए भी किया जा रहा है जिसके कारण कमजोर व हल्के किस्म के गन्ने एथेनॉल बनाने मे हो रहा जिससे पहले शक्कर बनाया जाता था ।

नवीन आधार सेवा केंद्र का शुभारंभ, अब स्थानीय स्तर पर मिलेंगी आधार संबंधी सेवाएं

दंतेवाड़ा । विगत दिवस जिले के कुआकोंडा विकासखंड में नागरिकों की सुविधा के लिए नवीन आधार सेवा केंद्र का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में ग्राम पंचायत कुआकोंडा की सरपंच सुनीता बघेल, उपसरपंच मंगल बघेल सहित जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर केंद्र का शुभारंभ किया। उपस्थित अतिथियों ने इस पहल को ग्रामीणों के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे आधार संबंधी सेवाएं अब स्थानीय स्तर पर सहजता से उपलब्ध हो सकेंगी। कार्यक्रम के दौरान सीएससी जिला प्रबंधक मिथलेश साहू ने तहसीलदार एवं तहसील कार्यालय कुआकोंडा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से आधार सेवा केंद्र के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराया गया।

जिले में कृषि के महत्वपूर्ण समय में श्रमिकों की उपलब्धता बनाए रखने का प्रावधान जारी

कोरिया। भारत एक कृषि प्रधान देश है और प्रत्येक जिले में कृषि के महत्वपूर्ण समय में श्रमिकों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए विकसित भारत जीरामजी योजना अंतर्गत प्रावधान भी निर्धारित किया गया है।

कृषि प्रधान कोरिया जिले में भी खरीफ और रबी की फसलों के लिए चिन्हित निर्धारित समयावधि में विकसित भारत जीरामजी योजनांतर्गत रोजगारमूलक कार्यों पर विराम रहेगा। इसके लिए विकसित भारत रोजगार एंव आजीविका के लिए गारंटी मिशन 2025 के अधिनियमों के तहत राज्य शासन द्वारा आज अधिसूचना जारी कर दी गई है। अलग-अलग जिलों में खरीफ एवं रबी की फसलों के लिए अधिसूचित किए गए समय में वीबी जीरामजी योजना के अंतर्गत हो रहे कार्यों पर विराम रहेगा। इससे खेती के कार्यों के लिए श्रमिकों की उपलब्धता बढ़ेगी और कृषि कार्यों में संलग्न

किसानों को फसलों की बुआई और कटाई में बेहद आसानी होगी।

जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी योगेन्द्र श्रीवास ने बताया कि विकसित भारत जीरामजी योजना अधिनियम 2025 अंतर्गत लिए गए प्रारंभिक प्रावधानों में ही कृषि कल्याण का विशेष ध्यान रखा गया है। इसे संज्ञान में रखते हुए अधिनियम की धारा 6 के उपधारा 2 के अंतर्गत कृषि के चरम मौसम में जिलों में प्रचलित कृषि की प्रकृति अनुसार योजना पर विराम रखने का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत जिलों में होने वाले कृषि फसलों के चरम समय को निर्धारित कर उसे राजपत्र के माध्यम से अधिसूचित कर दिया गया है। इससे कृषि कार्यों के लिए जिले के किसानों को बड़ी सहूलियत होगी।

विकसित भारत जीरामजी योजनांतर्गत किसानों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए खरीफ फसलों जैसे धान, मक्का, मूंगफली, उड़द आदि की कटाई के लिए एक नवम्बर से 15 नवम्बर तक की अवधि में योजना के अंतर्गत कोई भी कार्य नहीं कराया जाएगा। इसी तरह रबी की मुख्य फसल गेंहूं, चना और सरसों आदि फसलों की बुआई का समय निर्धारित करते हुए 16 नवम्बर से लेकर 30 नवम्बर तक वीबी जीरामजी योजना के कार्यों में विराम रहेगा। साथ ही रबी फसलों की कटाई के लिए 16 मार्च से 30 मार्च का समय अधिसूचित किया गया है।

कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने विकसित भारत जीरामजी योजना के तहत अधिसूचित समय की जानकारी देते हुए बताया कि असाधारण राजपत्र में अधिसूचित कृषि के चरम समय में योजना के अंतर्गत कोई भी कार्य नहीं लिया जाएगा। साथ ही इस दौरान कोई भी कार्य स्वीकृत, प्रारंभ या निष्पादित नहीं किया जाएगा। परंतु इस दौरान श्रमिकों के भुगतान, मुआवजे सहित प्रावधान में निहित प्रशासनिक व्यय, योजना निर्माण व्यय भुगतान आदि के कार्य जारी रहेंगे।

चोरी की नीयत से प्लांट में घुसा था आरोपी, लोहे का एंगल जब्त

बलौदाबाजार । ग्राम रवान स्थित अंबुजा प्लांट में चोरी की नीयत से घुसे एक युवक द्वारा सुरक्षा गार्ड पर लोहे के एंगल से जानलेवा हमला करने के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में प्रयुक्त लोहे का एंगल भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार ग्राम रवान स्थित अंबुजा प्लांट में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत गौतम तिवारी (28) ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 4 अगस्त को सुबह करीब 11 बजे वह अपने साथी आहूजा साहू के साथ ड्यूटी पर तैनात था। इसी दौरान पिंकेश देवार प्लांट परिसर में कथित रूप से चोरी की नीयत से घुस गया। रोकने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और पास में पड़े लोहे के एंगल से गार्ड के सिर पर हमला कर दिया। बचाव के दौरान एंगल उसके हाथ में लगने से वह घायल हो गया। साथी सुरक्षा गार्ड के बीच-बचाव के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

सेमरियाघाट शिवनाथ पुल का मरम्मत कार्य पूरा, 14 अगस्त से भारी वाहनों की आवाजाही होगी शुरू

भाटापारा । सेमरियाघाट शिवनाथ नदी का पुल काफी जर्जर हो गया था नदी पर बने पुल पर गड्ढे होने के कारण वाहन चालको को परेशानी के साथ साथ खतरा भी बना रहता था जर्जर पुल की स्थिति को देखते हुए पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा पुल का मरम्मत का कार्य शुरु कराया आरसीसी सीमेंट की सडक का निर्माण कार्य पीडब्ल्यूडी के एसडीओ संदीप चौबे के मार्गदर्शन मे व सूर्या तिवारी गोलू की देख रेख पुल का नवीनीकरण का कार्य कराया गया जिसे भारी वाहनो के आवागमन के लिए 14अगस्त से खोला जायेगा विभाग के अनुसार पुल का मरम्मत कार्य को मजबूती से कराया गया है।

बिरेतरा पंचायत भवन अति जर्जर, कभी भी हो सकता है हादसा, सरपंच एवं ग्रामीणों ने की नवीन भवन की मांग

बालोद । जनपद पंचायत गुंडरदेही के ग्राम पंचायत बिरेतरा में स्थित पंचायत भवन जर्जर अवस्था में है। भवन की छत टपकती है, दीवारों में दरारें हैं और कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। इस कारण पंचायत के कामकाज में भी बाधा आ रही है और ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।ग्राम पंचायत बिरेतरा के सरपंच, पंचगण एवं समस्त ग्रामवासियों ने जिला प्रशासन से नवीन पंचायत भवन की स्वीकृति की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान भवन करीब 20 साल पुराना है और अब पूरी तरह से अनुपयोगी हो चुका है। बरसात के दिनों में यहां बैठकें तक नहीं हो पातीं ग्रामवासियों ने बताया कि पंचायत भवन में गांव की योजनाओं की बैठक, राशन

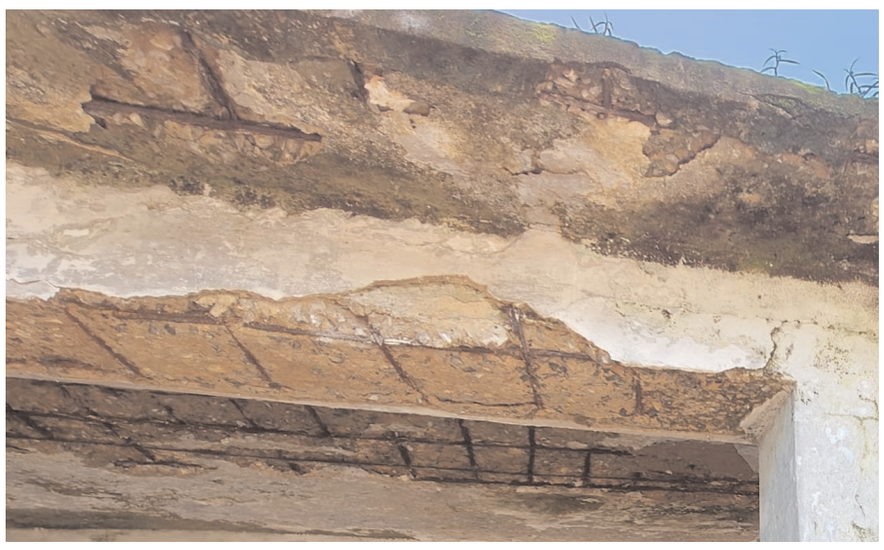

वितरण और अन्य सरकारी काम होते हैं। लेकिन जर्जर भवन के कारण कर्मचारियों और ग्रामीणों की जान को खतरा बना रहता है।सरपंच और पंचों ने कलेक्टर बालोद, जिला पंचायत ष्टश्वह्व एवं स्थानीय विधायक से मांग की है कि जनहित को देखते हुए ग्राम पंचायत बिरेतरा के लिए भव्य, सुरक्षित और सुविधायुक्त नवीन पंचायत भवन की स्वीकृति शीघ्र प्रदान की जाए। सरपंच, पंचो एवं ग्रामीणों ने कहा कि यदि जल्द सुनवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

बलौदाबाजार में महानगरों की तर्ज पर बिछेगी पाइपलाइन जल्द मिलेगी घर-घर पीएनजी रसोई गैस सुविधा

बलौदाबाजार । महानगरों की तर्ज पर अब बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के निवासियों को भी रसोई गैस सिलेंडरों के झंझट से मुक्ति मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा सिटी गैस इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के तहत पाइपलाइन बिछाने का कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया है। आने वाले दिनों में जिलेवासियों को सीधे पाइपलाइन के जरिए सुरक्षित और निर्बाध प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की आपूर्ति मिलेगी।

इस महत्वपूर्ण परियोजना की प्रगति को लेकर कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा ने मंगलवार को जिला कार्यालय में एचसीजी

रायपुर प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों और संबंधित विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने प्रोजेक्ट की अद्यतन स्थिति का जायजा लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग आपस में बेहतर समन्वय स्थापित करें और निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करें, ताकि आम नागरिकों को जल्द से जल्द इस आधुनिक सुविधा का लाभ मिल सके।उन्होंने कहा कि पाईप लाइन बिछाने में गड्ढा खोदने के लिये लोक निर्माण विभाग या अन्य विभाग अथवा पंचायत से एनओसी की जरुरत होने पर शीघ्र जारी किया जाए। प्रोजेक्ट के प्रतिनिधियों ने बताया कि पाईप लाईन बिछाने कार्य रायपुर से शुरू कर दिया गया है जो जिले के सिमगा तक पहुंच गया है।वर्तमान में विकासखण्ड सिमगा के ग्राम केसदा में काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि पीएनजी का कनेक्शन पाईप लाईन के आस पास के औद्योगिक प्रतिष्ठान,स्कूल,अस्पताल व शहरों में दिया जाएगा। पाईप लाइन घर के सामने से गुजरेगी जिसमें बीच- बीच में कनेक्शन बॉक्स रहेगा जहां से घर के रसोई तक कनेक्शन किया जाएगा।उन्होंने बताया कि पीएनजी बहुत ही सुरक्षित है जिसमें ब्लास्ट होने की कोई खतरा नहीं होता,मीटर के अनुसार बिल का भुगतान करना होगा।

सुरक्षित और किफ़ायती होगी आपूर्ति- पाइपलाइन गैस सेवा शुरू होने से आम जनता को समय पर सिलेंडर रिफिलिंग की समस्या से निजात मिलेगी। साथ ही यह सुविधा आर्थिक रूप से किफायती और पर्यावरण व सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी बेहद अनुकूल साबित होगी। बैठक में एचसीजी के प्रतिनिधियों ने आश्वस्त किया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर जिले में मुख्य नेटवर्क और घरेलू कनेक्शन का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

हर पैरेंट को ये दो कहानियां अपने बच्चों को जरूर सुनानी चाहिए

इन दोनों की कहानियों की शुरुआत अलग-अलग है, लेकिन अंत असाधारण है। उनकी कहानियां अमेरिका के फ्लोरिडा और भारत के लखनऊ में हजारों किलोमीटर की दूरी पर शुरू हुईं। नैथन थॉमस की कहानी फ्लोरिडा से तो दीप्ति कन्नौजिया की लखनऊ में एक कमरे के घर से शुरू हुई।

नैथन गणितीय समीकरणों के बीच पले-बढ़े, दीप्ति अनिश्चितताओं में बड़ी हुई। नैथन 19वें जन्मदिन से पहले दुनिया के सबसे कम उम्र के पुरुष प्रोफेसर बने, जबकि दीप्ति ने 14वें जन्मदिन से पहले अपने पैरेंट्स को खो दिया। फिर भी, उन्होंने सिंगापुर में पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति हासिल की।

नैथन इंजीनियरों के परिवार से आते हैं। उनकी मां में मुश्किल सवालों को भी आसानी से समझाने की अद्भुत क्षमता है। इसीलिए नैथन उन बच्चों में से थे, जो उन गणितीय सवालों को भी एंजॉय करते थे, जिनसे बड़े लोग तक घबरा जाते थे।

जब ज्यादातर बच्चे मिडिल स्कूल में दाखिल होते थे, तब नैथन ने ड्यूल एनरोलमेंट प्रोग्राम के जरिए महज 10 साल की उम्र में कॉलेज में दाखिला ले लिया। जिस उम्र में ज्यादातर टीनएजर्स यह तय कर रहे होते हैं कि उन्हें किस क्षेत्र में कॅरिअर बनाना है, नैथन ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, ऑनर्स में अपनी बैचलर और मास्टर्स डिग्री पूरी कर लीं।

हाल ही में, 18 साल, 346 दिन की उम्र में उन्होंने मियामी डेड कॉलेज में इंजीनियरिंग के टीचर का पद संभाला और दुनिया के सबसे कम उम्र के प्रोफेसर बने। उन्होंने स्कॉटलैंड के गणितज्ञ कॉलिन मैकलॉरिन का 2008 का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो 19 साल की उम्र में प्रोफेसर बने थे।

जब नैथन से इस रिकॉर्ड के बारे में पूछा गया तो उन्होंने प्रसिद्धि या पहचान की बात नहीं की, बल्कि उन्होंने कहा कि वे टीचिंग को सर्वाधिक एंजॉय करते हैं। उन्होंने कहा, जब किसी स्टूडेंट को कोई कठिन कॉन्सेप्ट अचानक से समझ आ जाए तो उसके चेहरे पर जो खुशी आती है, उसे देखना उनका सबसे पसंदीदा पल होता है। उनके लिए सफलता का पैमाना यह नहीं कि वह कितना जानते हैं, बल्कि यह है कि उनकी वजह से कोई दूसरा कितना सीख पाया।

अब लखनऊ चलते हैं, जहां एक टीनएजर की जिंदगी बेहद कठिनाइयों में बीती। 13 की उम्र में दीप्ति अनाथ हो गईं। ऐसी त्रासदी बहुत-से लोगों के सपनों का अंत कर सकती थी। लेकिन दीप्ति के लिए यह एक नई यात्रा की शुरुआत बनी। उन्होंने प्रेरणा गर्ल्स स्कूल में अपनी पढ़ाई पूरी लगन से जारी रखी। एक्स्ट्रा-करिकुलर एक्टिविटीज में भी हिस्सा लिया और धीरे-धीरे आत्मविश्वास वापस हासिल किया। सबसे अहम, उन्होंने शिक्षकों द्वारा कही गई ऐसी बातों पर भरोसा किया, जिन पर खुद उन्हें ही भरोसा नहीं था। वह यह कि हालात उनका भविष्य तय नहीं करते। पिछले साल उन्होंने यूनाइटेड वर्ल्ड कॉलेजेस मूवमेंट की ओर से दी जाने वाली दुनिया की सबसे प्रतिस्पर्धी एजुकेशनल स्कॉलरशिप्स में से एक के लिए आवेदन किया। चयन प्रक्रिया में एकेडमिक एक्सीलेंस, लीडरशिप, विचारों की मजबूती, समाज सेवा और सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता जैसे गुणों को परखा गया। कई महीनों बाद जवाब आया। दीप्ति का चयन पूर्ण स्कॉलरशिप पर सिंगापुर के यूनाइटेड वर्ल्ड कॉलेज साउथ ईस्ट एशिया में इंटरनेशनल बैकलॉरिएट डिप्लोमा प्रोग्राम की पढ़ाई के लिए हो गया।

पैरेंट्स आपसे दुनिया का सबसे कम उम्र का प्रोफेसर बनने या अंतरराष्ट्रीय स्कॉलरशिप हासिल करने की उम्मीद नहीं रखते। रिकॉर्ड तो हर दिन टूटते हैं और गिने-चुने लोग स्कॉलरशिप भी हासिल कर लेते हैं। मैं तो इससे कहीं ज्यादा मूल्यवान चीज आपके लिए चाहता हूं- सीखने से जीवन भर प्रेम करते रहें।

अगर आप जिज्ञासु बने रहेंगे, बिना डर सवाल पूछेंगे, दूसरों से ज्यादा पढ़ेंगे, तब भी अभ्यास करेंगे जब कोई देख नहीं रहा हो और निराशाओं के बाद भी बढ़ते रहेंगे तो सफलता अंतत: आपके पीछे आएगी। जिंदगी ऐसी दौड़ नहीं, जहां हर कोई एक ही लाइन से शुरुआत करता है। यह ऐसी यात्रा है, जिसमें अकसर वही जीतते हैं, जो चलना बंद नहीं करते।

जब भी आपको लगे कि कोई काम बहुत कठिन है तो नैथन को याद करना। जब लगे कि जिंदगी अन्याय कर रही है तो दीप्ति को याद करना। एक ने साबित किया कि उम्र कोई बाधा नहीं होती। दूसरे ने साबित किया कि कठिनाइयां भी रुकावट नहीं होतीं। सच में मायने रखने वाली बाधा तो वही है, जो हम अपने भीतर बना लेते हैं। खुद पर भरोसा कीजिए। हर दिन सीखिए। दयालु और विनम्र बने रहिए। और आगे बढ़ना कभी मत छोड़िए।

साइबर ठगों की सबसे बड़ी ताकत है हमारी चुप्पी और निष्क्रियता

हर दिन हजारों लोगों को साइबर ठगों के संदिग्ध फोन कॉल्स आते हैं या मैसेज और वॉट्सएप लिंक प्राप्त होते हैं। इनमें से अधिकांश लोग ठगी के शिकार नहीं बनते। वे या तो कॉल काट देते हैं या मैसेज को नजरअंदाज कर देते हैं। फिर भी अनुमानित तौर पर 5 प्रतिशत से कम लोग ही ठगी के ऐसे प्रयासों की शिकायत दर्ज कराते हैं।

इसके कारण भी हैं। लोगों के पास समय की कमी होती है। कई लोगों को संस्थाओं पर भरोसा नहीं होता। कुछ लोग नौकरशाही की उदासीनता या अधिकारियों के बेरुखे रवैये के अपने पुराने अनुभवों के कारण शिकायत करने से बचते हैं। लेकिन इसका नतीजा यह रहता है कि साइबर ठग का मोबाइल नंबर सक्रिय बना रहता है और वह नए-नए लोगों को निशाना बनाता रहता है।

नागरिकों की यही चुप्पी अपराधियों की मदद करती है। यदि अधिक लोग ठगी के असफल प्रयासों की भी शिकायत दर्ज कराएं, तो इन साइबर ठगों के पूरे नेटवर्क को बहुत जल्दी कमजोर किया जा सकता है। लेकिन सवाल उठता है कि शिकायत कहां करें और कैसे करें?

अच्छी बात यह है कि अब शिकायत दर्ज कराने के लिए किसी पुलिस थाने या सरकारी कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा विकसित एक सरल मोबाइल एप्लिकेशन 'संचार साथी' के जरिये कोई भी नागरिक घर बैठे ही किसी संदिग्ध मोबाइल नंबर की शिकायत दर्ज करा सकता है। महज कुछ ही मिनटों में यह प्रक्रिया साइबर ठग के सिम कार्ड और जरूरत पड़ने पर उसके मोबाइल हैंडसेट को भी ब्लॉक करा सकती है।

साइबर ठगी की तकनीकी प्रक्रिया को समझ लेने से भी लोग समय रहते सतर्क हो सकते हैं। कई मामलों में ठगी की शुरुआत किसी एपीके फाइल या ऐसे लिंक से होती है, जिसमें *21*(10-अंकों का मोबाइल नंबर)# प्रारूप वाला विशेष कोड छिपा होता है।

जैसे ही आप उस फाइल को इंस्टॉल करते हैं या लिंक पर क्लिक करते हैं, आपका एसएमएस फॉरवर्डिंग बिना यूजर की जानकारी के सक्रिय कर दी जाती है।

साइबर ठग पीड़ित का वॉट्सएप चलाने लगता है, उस पर आने वाले संदेश पढ़ता है और उसी खाते का इस्तेमाल आगे की ठगी के लिए करता है। अकसर वह अपने विक्टिम के परिवार के सदस्यों या मित्रों से संपर्क कर उन्हें भी ठगी का शिकार बनाने की कोशिश करता है।

ऐसी किसी भी साइबर धोखाधड़ी के बाद पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम यह है कि अपने मोबाइल फोन से #21# डायल करें। यह सरल-सा कोड एक साथ सभी कॉल फॉरवर्डिंग और एसएमएस फॉरवर्डिंग सेवाओं को निष्क्रिय कर देता है।

इसके बाद यूजर को वॉट्सएप की आधिकारिक शिकायत प्रणाली के माध्यम से 'माय अकाउंट हैज बीन हैक्ड' विकल्प चुनकर इसकी सूचना देनी चाहिए। फेसबुक अकाउंट प्रभावित होने पर उसकी आधिकारिक रिकवरी सुविधा और इंस्टाग्राम अकाउंट प्रभावित होने पर भी उसकी आधिकारिक शिकायत प्रणाली का उपयोग करना चाहिए।

यह मान लेना गलत है कि केवल तकनीकी जानकारी न रखने वाले लोग ही साइबर अपराधों के शिकार बनते हैं। कोई उच्च शिक्षित व्यक्ति, कंप्यूटर इंजीनियर या नियमित रूप से साइबर सुरक्षा संबंधी सलाह का पालन करने वाला व्यक्ति भी इसका शिकार हो सकता है।

मानसिक थकान, तनाव, शारीरिक अस्वस्थता या साधारण-सी असावधानी कुछ समय के लिए व्यक्ति की सतर्कता को कम कर सकती है। ऐसे ही किसी कमजोर क्षण में कोई विश्वसनीय प्रतीत होने वाला फोन कॉल या मैसेज अपना काम कर जाता है।

साइबर अपराधी हमारी चुप्पी पर निर्भर रहते हैं। जब ठगी के प्रयास से बच निकलने वाले लोग भी शिकायत दर्ज नहीं कराते, तो वही मोबाइल नंबर सक्रिय बने रहते हैं और नए-नए लोग उनका शिकार बनते रहते हैं। इससे बचें। सतर्क रहें। तुरंत रिपोर्ट करें। किसी भी समस्या के समाधान की शुरुआत यहीं से होती है।

(ये लेखकों के अपने विचार हैं)

टैक्स की बाधाएं कम करके ही इनोवेशन को बढ़ावा दे सकेंगे

देश में टैक्सेशन को 'टैक्स टेररिज्म' कहा जाने लगा है, खासकर इनोवेशन की दुनिया में। प्रधानमंत्री बार-बार कहते हैं कि भारत का भविष्य महज उपभोक्ता-बाजार बनने में नहीं, तकनीकी क्षेत्र का अगुवा बनने में है। सरकार की ओर से आंत्रप्रेन्योरशिप और इनोवेशन को प्रोत्साहित करने के लिए स्टैंड-अप इंडिया और स्टार्ट-अप इंडिया जैसी योजनाएं शुरू की गई थीं। इससे भारतीय रिसर्चरों को प्रोत्साहन मिला भी, लेकिन सरकारी टैक्स व्यवस्था ने ढेरों नकारात्मक व्यवधान पैदा कर दिए। तीन उदाहरणों से इसे समझें।

पहला मामला एंजेल फंड का है। संभावनाओं वाले स्टार्टअप्स को निवेशकों ने यह फंड दिया, लेकिन आयकर विभाग ने इसे स्टार्टअप्स की कमाई मानकर उन्हें नोटिस भेजने शुरू कर दिए। नतीजतन, इनोवेशंस पर ध्यान देने के बजाय छोटे स्टार्टअप्स को अपनी सीमित मैनपॉवर कानूनी मसलों के समाधान में खपानी पड़ गई।

दूसरा मामला आईआईटी संस्थानों का है, जिनके पास सीमित रिसर्च फंड होता है। लेकिन समय के साथ उन्होंने उद्योगों की समस्याओं को सुलझाने के लिए अलग से इंडस्ट्री फंड भी विकसित कर लिए। इन रिसर्च के निष्कर्षों को लागू करने वाले भी तत्काल मिल जाते थे, क्योंकि समस्या की पहचान और जरूरत का आकलन पहले ही किया जा चुका होता था।

फिर एक दिन इन प्रतिष्ठित अकादमिक संस्थानों को जीएसटी के नोटिस मिल गए। इनमें उद्योगों द्वारा वित्तपोषित रिसर्च को सेवा श्रेणी में मान लिया गया। इन दोनों मामलों ने पूरी शोध प्रक्रिया को दो सालों तक बाधित रखा, जब तक कि सरकार ने इन प्रावधानों को वापस नहीं ले लिया।

एक दूसरा उदाहरण ऑनलाइन गेमिंग उद्योग का है, जहां 2023 में 'गेम ऑफ स्किल' (जैसा कि विभिन्न अदालती आदेशों में वर्गीकृत किया गया है) पर जीएसटी 18% से बढ़ाकर 28% कर दिया गया। यह टैक्स बढ़ोतरी रेट्रोस्पेक्टिव प्रभाव से की गई, यानी बढ़ा हुआ टैक्स 2017 से लागू किया गया। इस फैसले से पूरा गेमिंग इनोवेशन ठप हो गया।

इनोवेशन महज डीआरडीओ जैसे बड़े संस्थानों में ही नहीं होते, बल्कि ये छोटे स्टार्टअप्स और उनके नवाचार का मिला-जुला परिणाम होते हैं। इन व्यवधानों के चलते भारत ने अपनी बढ़त खो दी। यदि भारत को इनोवेशन का हब बनना है और तकनीकी के क्षेत्र में खुद का सामर्थ्य बढ़ाने पर फोकस करना है तो क्या यह जरूरी नहीं कि इन नई उभरती हुई तकनीकों को टैक्स वसूली के नजरिए से परे रखा जाए?

जब देश में औद्योगिकीकरण को प्रोत्साहित किया गया था तो केंद्र और राज्यों ने दीर्घकालिक नीतियां बनाई और कर रियायतें भी दी थीं। क्या अब फिर वो समय नहीं आ गया, जब इस विषय पर समग्र दृष्टिकोण अपनाया जाए? दीर्घकालिक, स्थिर, भरोसेमंद और कन्वर्जेंट पॉलिसी फ्रैमवर्क तैयार किया जाए, ताकि निवेश आकर्षित हो। साथ ही, उन स्टार्टअप्स को भरोसा मिल सके, जो स्थिर नीतियों वाले देशों का रुख कर रहे हैं। यही प्रक्रिया जारी रही तो भारत की छवि एक ऐसे देश की बन जाएगी, जो महज विदेशों में हो रहे इनोवेशन को ही अपनाता है।

आज जरूरत है कि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों प्रकार के करों के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। खासकर तब, जबकि हेल्थ, एजुकेशन सेस जैसे उपकर भी लगाए जा रहे हैं। आयकर पर सेस लगाए जाते हैं।

यदि इन माध्यमों से लगातार धन एकत्र हो रहा है, तो यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। इसका सोशल ऑडिट भी हो। टैक्स से मिलने वाले पैसे को खर्च करते वक्त हमें यह सुनिश्चित करना ही होगा कि बदले में लोगों को किफायती दामों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाएं मिलें।

भारत के पास तमाम काबिलियतें हैं। ज्ञान, प्रतिभा की कमी नहीं है। लेकिन जो चीज इस सब पर पानी फेर देती है, वह है रिसर्च और इनोवेशन को प्रोत्साहित करने के लिए समग्र दृष्टिकोण का अभाव। यदि हमें विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनना है तो बिना व्यवधान वाले रिसर्च और इनोवेशन को प्रोत्साहित करने के अलावा कोई दूसरा शॉर्टकट नहीं है। रिसर्चर्स के पास इतनी क्षमता नहीं होती कि वे इन झटकों और प्रशासनिक बदलावों से उबर सकें। इस सबसे उनका ध्यान रिसर्च से भटक जाता है। हमें रिसर्च और इनोवेशन का एक स्थिर इको-सिस्टम बनाना ही होगा।

इनोवेशन बड़े संस्थानों में ही नहीं होते, बल्कि ये छोटे स्टार्टअप्स और उनके इनोवेशन का मिला-जुला परिणाम भी होते हैं। यदि भारत को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में फोकस करना है तो यह जरूरी है कि उभरती हुई तकनीकों को टैक्स वसूली में राहत दी जाए। **(ये लेखिका के अपने विचार हैं)**

झारखंड के छात्रों ने आंदोलन की मिसाल पेश की

कोई भी आंदोलन हो,वह कम से कम आंदोलन जैसा तो होना चाहिए, आंदोलन जैसा लगना तो चाहिए।लोगों ने जैसे आंदोलन देखे है,कम से कम वैसा तो होना चाहिए।तब देश के लोग उस आंदोलन को आंदोलन मानते हैं और उसका समर्थन करते हैं।पेपरलीक के मामले में दिल्ली के जंतर मंतर में जो छात्रों का आंदोलन किया गया था।वह गंदे पोस्टर,गंदी भाषा,सोशल मीडिया में गंदे मीम,नेताओं को गाली,पीएम को गाली,पुलिस से मारपीट,कानून व्यवस्था बिगाड़ने के लिए जितना चर्चित रहा, अपनी मांगों को लेकर उतना चर्चित नहीं रहा।जितने वामपंथी विचारधारा वाला लोग थे,उनको जरूर यह आंदोलन छात्रों की क्रांति जैसा लगा लेकिन परंपरागत आंदोलन को पसंद करने वालों को जंतर मंतर का आंदोलन अनियंत्रित,अराजक तत्वों का आंदोलन लगा।जब तक यह आंदोलन चला दिल्ली के लोगों को परेशानी हुई।

यह आंदोलन पेपरलीक को रोकने के लिए जरूर था लेकिन यह मोदी सरकार के विरोध में ज्यादा था इसलिए इस आंदोलन का समर्थन विपक्ष के राजनीतिक दलों व उनके नेताओं ने किया और देश को बताने की कोशिश की कि देखों देश के जेनजी मोदी सरकार के विरोध में हैं। देश के जेनजी में मोदी सरकार के खिलाफ खूब नाराजगी है।हर आंदोलन का कोई बड़ा लक्ष्य होता है इस आंदोलन का लक्ष्य सीजेपी के लिए शिक्षामंत्री का इस्तीफा तो विपक्ष के लिए मोदी सरकार के खिलाफ माहौल बनाना था ताकि आने वाले चुनाव में इस आंदोलन का फायदा उठाया जा सके।विपक्ष उम्मीद कर रहा था कि मोदी सरकार शिक्षा मंत्री का इस्तीफा नहीं लेगी और यह आंदोलन लंबे समय तक चलेगा लेकिन पीएम मोदी ने ठीक समय पर सीजेपी जो चाहता था, उसे मानकर आंदोलन समाप्त करवा दिया और पेपरलीक रोकने कानून बनाकर यह बता दिया कि विपक्ष युवाओं का जितना भला नहीं चाहता है मोदी सरकार उतना भला चाहती है इसलिए मोदी सरकार ने परीक्षा के दौरान पेपर लीक रोकने कड़ा कानून बनाया है।

सब लोग मानकर चल रहे थे कि जंतर मंतर का युवाओं का आंदोलन आंदोलन के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा लेकिन झारखंड के छात्रों ने राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन करके देश के युवाओं को बता दिया है कि छात्रों का आंदोलन कैसा होना चाहिए।कहीं कोई किसी को गाली नहीं दे रहा है,धरना,प्रदर्शन सब हो रहा है रैली निकाली जा रही है लेकिन एक दिन भी किसी छात्र ने कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश नहीं की।कहीं कोई गंदा पोस्टर नहीं है, सोशल मीडिया में वीडियों हैं लेकिन गंदे मीम नहीं है। सीएम को कोई गाली नहीं दे रहा है। आंदोलन को 10दिन से ज्यादा हो गए हैं, छात्रों को स्टेडियम में टेंट लगाने नहीं दिया गया है कि वह बारिश,खुले में ज्यादा दिन आंदोलन न कर सके और अपने आप समाप्त हो जाए।छात्रों के सामने खाने की,बारिश के बचने की समस्या है लेकिन वह हर तरह की समस्या का सामना करते हुए आंदोलन कर रहे हैं और अब देश का मीडिया भी उनकी मांगो को उठा रहा है।

झारखंड के छात्र आंदोलन से एक तो यह साफ हो गया कि जो छात्र होते हैं वह शांति से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करते हैं और दूसरे देश के विपक्षी नेताओं की भी पोल खुल गई है कि वह छात्रों के साथ खड़े होने वाले हैं,छात्रों के लिए आवाज बुलंद करने वाले हैं। राहुल गांधी ने छात्रों की मांग के लिए पीएम आवास के सामने धरना दिया लेकिन झारखंड के छात्रों की मांग के लिए उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकल रहा है।प्रियंका गांधी के लिए जंतर मंतर में धरना देने वाले छात्रों के लिए कहा था वह देश के बच्चे हैं उनकी मांगों को पूरा किया जाना चाहिए। उसी प्रियंका गांधी के लिए झारखंड के छात्र देश के बच्चे नहीं है,उनके लिए उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकल रहा है।केजरीवाल,डिंपल यादव, शरद पवार सहित बड़ी संख्या में नेता जंतर मंतर गए थे लेकिन झारखंड में इंडिया ब्लाक के दल की सरकार होने के कारण कोई झारखंड नहीं गया है और आंदोलन का समर्थन अपने राज्य से भी नहीं कर रहा है।

जंतर मंतर के छात्रों की तुलना में झारखंड के छात्रों की मांग राज्य की परीक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार व इसमें गड़बड़ी करने वालों को सजा दिलाने की है।उनकी मांग शिक्षामंत्री के इस्तीफे की नहीं है,उनका कहना है कि वह किसी परीक्षा को रद्द कराने की मांग नहीं कर रहे है,उनकी मांग है कि झारखंड में पिछले पांच बरसों मे दस से अधिक विवादित सरकारी भर्ती की दूसरे राज्य के हाईकोर्ट से जजों से जांच कराने की, दोषी लोगों पर कार्रवाई और परीक्षा व भर्ती व्यवस्था का पारदर्शी बनाने की है।

जाने कब वो दिन आएंगे, जब लोग अपने भीतर के देवताओं को जगाकर वोट देने लगेंगे

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

आज गोरखपुर में जो गोरखनाथ मंदिर है, वहां पहले घनी झाड़ियां थीं। कथा यूं है कि एक नेपाली सुंदरी ने गुरु गोरखनाथ को भोजन पर बुलाया। जानती थी योगी सिर्फ खिचड़ी खाते हैं। उसने पकवानों के थालों की तरह खिचड़ी के थाल परोसे। दूर बैठे गुरु गोरखनाथ को सुंदरी के मन में खोट नजर आई। वे गोरखपुर के पास घनी झाड़ियों में ध्यान लगाकर बैठ गए।

सुंदरी इंतजार करते-करते थक गई। रोज खिचड़ी पकाती, परोसती... पर गोरख नहीं आते। खिचड़ी पकाते- पकाते पत्थरों के बीच वह खुद भी पत्थर हो गई, पर गोरख नहीं आए। उस सुंदरी का इंतहा दर्द उन पत्थरों से एक गरम पानी का चश्मा बनकर बह निकला, जहां आज भी खिचड़ी की देगें पकती हैं। उत्तर प्रदेश और पंजाब में भी सत्ता-सुंदरी की खिचड़ी पक रही है। साल के अंत में या नए साल की शुरुआत में यहां चुनाव होने वाले हैं। क्या कांग्रेस पार्टी, क्या समाजवादी पार्टी, क्या भारतीय जनता पार्टी, क्या आम आदमी पार्टी, सबके अपने-अपने एजेंडे हैं। सबने अपनी-अपनी बिसात बिछा रखी है।

देखना यह है कि कौन बाजी मारता है? कौन सत्ता-सुंदरी का वरण करता है या बुलावा स्वीकारता है!

जहां तक उत्तर प्रदेश का सवाल है तो चढ़ावा-चोरी का मामला लगभग निबटा लिया गया है, इसलिए वहां भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ कोई एंटी-इंकम्बेन्सी दिखाई नहीं देती। वैसे भी पिछले लोकसभा चुनावों के परिणामों को देखकर इन विधानसभा चुनावों का कोई अंदाजा निकालना ठीक नहीं होगा। इसलिए कहा जा सकता है कि उत्तर प्रदेश में फिलहाल मौजूदा सत्ता का पलड़ा ही भारी दिखाई दे रहा है।

समाजवादी पार्टी ने वैसे भी पिछले साढ़े चार साल में उत्तर प्रदेश में कोई ऐसा आंदोलन तो नहीं ही छेड़ा है, जिससे योगी सरकार बैकफुट पर आई हो। बल्कि कहना यह चाहिए कि समाजवादियों और कांग्रेस ने आंदोलनों के कई अवसर गंवाए जरूर हैं, जिनका उन्हें राजनीतिक लाभ मिल सकता था। गुंडागर्दी खत्म करने का और बाहुबलियों को ठिकाने लगाने का यश तो योगी सरकार के साथ है ही और वो दिखाई भी देता है। लोगों की बातों में। उनके चेहरों पर।

जहां तक पंजाब का सवाल है, यहां नई-नवेली आम आदमी पार्टी सरकार का राज है और कई मायनों में ठीक भी चल रही है। उत्तर प्रदेश की तरह पंजाब में भी फिलहाल तो सत्ता पक्ष का ही पलड़ा भारी दिखाई दे रहा है। चुनाव आते-आते क्या होगा, क्या होने वाला है, ये तो भविष्य ही बताएगा।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

गोस्वामीजी से किसी ने पूछ दिया कि कैकेई इतना बदल कैसे गईं ? तो उन्होंने एक प्रचलित धारणा का आश्रय लेते हुए संकेत किया। कहा जाता है कि मृगी को संगीत से बड़ा प्रेम होता है और मारने वाले जो लोग होते हैं, वे प्राचीन काल में कभी-कभी संगीत की ध्वनि से उस मृग या मृगी को आकृष्ट करके उस पर बाण चला देते थे। इसलिए गोस्वामीजी ने कहा कि यह मंथरा तो मानो शबरी (वध करने वाली) है। और कैकेईजी मृगी हैं तथा मंथरा उनका बलिदान करने के लिए ही गीत सुना रही हैं। और उनका दुर्भाग्य यह है कि वे उसके संगीत के प्रति सम्मोहित हो रही हैं –

सबरी गान मृगी जनु मोही।

इस प्रकार 'सम्मोह' भी दिखाई दे रहा है कैकेई में।

संगात्संजायते काम: कामात्क्रोधोह्यभिजायते।
क्रोधाद्भवति संमोह: संमोहात्स्मृतिविभ्रम:।।

सम्मोह के पश्चात स्मृतिविभ्रम भी हो गया। स्मृतिविभ्रम का तात्पर्य है कि अपनी बात को जब व्यक्ति स्वयं भूल जाए और कैकेईजी वही थी जिन्होंने मंथरा से यह कहा था कि अगर कल राम को राज्य मिलेगा तो तुम जो मांगेगी वह मैं दूंगी। किंतु अब वे अपनी बातों को भूल चुकी हैं।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

हर 5 में एक तालाब बीमार, प्लास्टिक और रासायनिक खाद बना रही पानी को जहरीला

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पहली बार तालाबों का हेल्थ कार्ड बनाने के लिए हो रही वैज्ञानिक जांच में चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आ रही है। प्रदेश के सभी 33 जिलों के पांच-पांच तालाबों की जांच में अब तक आधे से ज्यादा तालाबों का हेल्थ कार्ड तैयार हो चुका है। शुरुआती रिपोर्ट में करीब 20 फीसदी तालाबों की सेहत बिगड़ी हुई मिली है। तालाबों के पानी को प्लास्टिक कचरा और खेतों से बहकर आने वाले रासायनिक उर्वरक दूषित और जहरीला कर रहे हैं। इन्हीं रिपोर्टों के आधार पर अब दूषित और जहरीले पानी वाले तालाबों के सुधार की कार्ययोजना बनाई जाएगी। जिन तालाबों की सेहत यानी उनका पानी शुद्ध है उन्हें अधिसूचित किया जाएगा। उसके बाद उन तालाबों में वेटलैंड नियम लागू होगा। तालाबों की बाउंड्री से 50 मीटर के दायरे में आने वाले सभी तरह के निर्माण को अवैध घोषित कर तोड़ा जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर राज्य जैव विविधता बोर्ड प्रदेशभर के तालाबों का हेल्थ कार्ड तैयार कर रहा है। इसके लिए 2.25 हेक्टेयर से अधिक की हर वाटरबॉडी के पानी जांच की जा रही है। प्रारंभिक चरण में हर जिले के पांच-पांच तालाबों को चुना गया

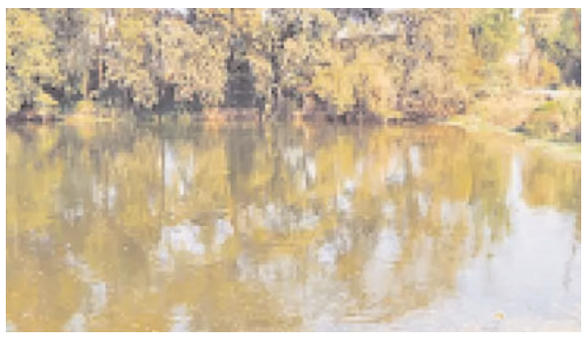

है। इन तालाबों के पानी की वैज्ञानिक जांच की जा रही है। जांच से पता चलने लगा कि किस तालाब या वाटरबॉडी का पानी कितना स्वच्छ है? दूषित है तो क्यों और उसमें कौन-कौन से हानिकारक तत्व मौजूद हैं। अब तक तैयार हुई रिपोर्टों में करीब 20 फीसदी तालाबों में प्रदूषण मिला हैं। जांच में सामने आया है कि कई तालाबों में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक का कचरा जमा रहता है। इसके अलावा खेतों में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक उर्वरक वाला पानी भी बहकर तालाबों में घुल रहा है।

किस जांच से पता लगाया जा रहा

बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड: पानी में जैविक प्रदूषण कितना है।

केमिकल ऑक्सीजन डिमांड: रासायनिक प्रदूषण की मात्रा।

डिजॉल्व्ड ऑक्सीजन: पानी में घुली ऑक्सीजन का स्तर।

टोटल डिजॉल्व्ड सॉलिड्स: पानी में घुले ठोस पदार्थों की मात्रा।

पोटेंशियल ऑफ हाइड्रोजन: पानी की अम्लीयता या क्षारीयता का स्तर।

निगम क्षेत्र के तालाब अभी जांच के दायरे से बाहर

नगर निगम सीमा के भीतर आने वाले तालाबों का हेल्थ कार्ड फिलहाल नहीं बनाया जा रहा है। जैव विविधता बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार पहले नगर निगम से एनओसी ली जाएगी, उसके बाद ही इन तालाबों की जांच शुरू होगी। जानकारों का कहना है कि निगम क्षेत्र के कई तालाबों के आसपास पहले से बड़े निर्माण हैं। ऐसे में एनओसी मिलने को लेकर संशय बना हुआ है।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

एआई के काल्पनिक गणेश पर लगा ब्रेक

रायपुर। गणेशोत्सव की तैयारियों के बीच इस वर्ष प्रदेश में श्रद्धालुओं की सोच में एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ सालों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बनी काल्पनिक, सुपरहीरो शैली और अजीब बाल स्वरूप वाली गणेश प्रतिमाओं का ट्रेंड काफी तेजी से बढ़ा था, लेकिन इस बार उस पर लगभग पूरी तरह से ब्रेक लग गया है। पत्रिका की ग्राउंड रिपोर्ट के अनुसार, धार्मिक संस्थाओं और पंडितों के विरोध के बाद अब पूरे प्रदेश में लोग पौराणिक ग्रंथों और शास्त्रों के अनुसार भगवान गणेश की पारंपरिक मूर्तियों को ही प्राथमिकता दे रहे हैं। इस बदलाव का सबसे बड़ा असर दुर्ग जिले के प्रसिद्ध मूर्तिकार गांव थनौद में देखने को मिल रहा है। इस साल थनौद के मूर्तिकारों को जितने भी ऑर्डर मिले हैं, वे सभी 100 प्रतिशत पारंपरिक और शास्त्रसम्मत प्रतिमाओं के ही हैं। पिछले साल एआई तकनीक से तैयार भगवान गणेश की काल्पनिक तस्वीरों, मॉडर्न कपड़ों और प्रयोगधर्मी रूपों को लेकर कई धार्मिक संगठनों ने कड़ी आपत्ति जताई थी। उनका स्पष्ट कहना था कि इस तरह के रूप पौराणिक मान्यताओं और धार्मिक मर्यादाओं के खिलाफ हैं।

अमरकंटक एक्सप्रेस से पहुंचे 10 डिब्बे, अफसरों के बीच 4 घंटे खींचतान, फिर कार्रवाई

प्रतिबंधित एनालॉग पनीर की तस्करी:रायपुर स्टेशन में 500 किलो एनालॉग पनीर की खेप जब्त, ओडिशा तक सप्लाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगने के बाद भी इसकी सप्लाई जारी है। अब इसके लिए ट्रेन रूट का इस्तेमाल किया जाने लगा है। बुधवार को रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 में फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीम ने एनालॉग पनीर के शक में करीब 500 किलो पनीर की खेप पकड़ी।

पनीर अमरकंटक एक्सप्रेस के जरिए भोपाल से रायपुर पहुंचा था। कार्रवाई के दौरान रेलवे और खाद्य सुरक्षा विभाग के बीच जिम्मेदारी को लेकर करीब चार घंटे तक खींचतान चलती रही। इसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने पनीर के सैंपल लेकर उसे सुरक्षित रखने के लिए फ्रीजर में रखवा दिया।

टीम का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। बुधवार सुबह रायपुर रेलवे स्टेशन पर 10 बड़े डिब्बे अमरकंटक एक्सप्रेस से उतारे गए। इसमें करीब 500 किलो एनालॉग पनीर रखे होने की जानकारी विभाग को पहले ही मिल चुकी थी। खाद्य सुरक्षा विभाग और रेलवे अधिकारियों की

टीम स्टेशन पहुंची और खेप को जब्त किया।

मौके पर अधिकारियों ने पनीर के नमूने लिए और जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया। जांच रिपोर्ट के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि पनीर खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप है या नहीं। यदि जांच में किसी तरह की गड़बड़ी सामने आती है तो संबंधित व्यापारी और सप्लाई चैन से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

होटल-ढाबों में खपाते थे: प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि यह पनीर शहर के होटल, ढाबों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सप्लाई करने के लिए मंगाई गई थी। अब विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि इतनी बड़ी मात्रा में पनीर किस व्यापारी ने मंगाई थी और इसे किन-किन जगहों पर भेजा जाना था। अधिकारियों की टीम सप्लाई नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है, ताकि प्रतिबंधित उत्पाद की पूरी चेन का पता लगाया जा सके।

हर सप्ताह आने की सूचना, रेलवे निगरानी पर सवाल सूत्रों के मुताबिक रायपुर रेलवे स्टेशन पर भोपाल से हर सप्ताह बड़ी मात्रा में पनीर की खेप पहुंचती है। इसके बावजूद रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को इसकी जानकारी नहीं मिल पाती। प्रतिबंध लागू होने के बाद भी ट्रेन के जरिए इतनी बड़ी मात्रा में संदिग्ध पनीर पहुंचना निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। खाद्य सुरक्षा विभाग अब यह भी जांच कर रहा है कि पहले कितनी बार इस तरह की खेप रायपुर पहुंच चुकी है और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं।

मिल्क मैजिक कंपनी बंद होने के बाद भी उससे जुड़े लोगों ने पनीर सप्लाई का नेटवर्क चालू रखा। कंपनी में सुपरवाइजर रहा राजेश तिवारी भोपाल चला गया और 'शुद्ध अमृत पनीर' कंपनी से जुड़ गया। राजेश ने भोपाल की लीज कंपनी 'बालाजी' के जरिए रायपुर, छत्तीसगढ़ और ओडिशा तक पनीर भेजने का सिस्टम संभाला।

प्रदेश में एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगाया गया है। ट्रेन के माध्यम से अवैध रूप से पनीर की सप्लाई किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने कार्रवाई करते हुए स्टॉक को जब्त कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। **-डोमेंद्र ध्रुव, नोडल अधिकारी, फूड विभाग**

स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस का लालटेन मार्च

रायपुर। रायपुर में कांग्रेस ने बुधवार को एक ओर भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) के निजीकरण और रोजगार जैसे मुद्दों को लेकर 'भिलाई बचाओ पदयात्रा' निकाली, वहीं शाम को स्मार्ट मीटर के विरोध में लालटेन लेकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने लोगों को आवेदन फॉर्म बांटकर स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने बिजली मीटर लगाने की मांग का समर्थन किया।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह यात्रा बीएसपी से जुड़े कर्मचारियों, स्थानीय लोगों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकाली गई है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार की कथित लापरवाही, अनियमितताओं और जनहित के मुद्दों की अनदेखी के विरोध में यह अभियान चलाया जा रहा है। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने लोगों से संवाद भी किया। इसके साथ ही पदयात्रा के दौरान स्मार्ट मीटर बदलवाने से जुड़े फॉर्म भी लोगों को बांटे गए।

कार्यक्रम के तहत सुबह 10 बजे कांग्रेस कार्यकर्ता टाटीबंध स्थित भारत माता स्कूल के पास पहुंचे। यहां से पदयात्रा कांग्रेस कार्यालय की ओर निकली।

इसके बाद कार्यकर्ता शंकर नगर स्थित राजीव भवन और गांधी मैदान स्थित कांग्रेस भवन पहुंचे, जहां शहीद महेंद्र कर्मा की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कांग्रेस नेताओं ने उनके राजनीतिक योगदान और आदिवासी समाज के लिए किए गए कार्यों को याद किया।

दिन में पदयात्रा और सभा के बाद शाम को कांग्रेस ने स्मार्ट मीटर के विरोध में लालटेन लेकर प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन, पूर्व महापौर एजाज ढेबर, पार्षद अर्जुमन ढेबर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता लालटेन लेकर पेंशन बाड़ा स्थित यादव मोहल्ला पहुंचे।

आंगनबाड़ी परिसर में एक पेड़ मां के नाम के तहत रोपे पौधे, संरक्षण का लिया संकल्प

खरोरा। ग्राम नहरडीह के आंगनबाड़ी परिसर में बुधवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में बरसात के आगमन और पानी के फुबारों के साथ नीम, पीपल, बरगद, नींबू , बेल के अनेक प्रकार के पेड़ लगाया गया और उसे सुरक्षित रखने का भी संकल्प लिया गया। जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्तृता (मैडम) सरोज साहू, सहायिका पूजा साहू, स्कूल समिति अध्यक्ष पुनाराम मारकंडे, रोजगार सहायक रामस्वरूप साहू, जसवंत साहू, प्रीति साहू, तिलक यादव, राजेश्वरी यादव,गोविन्द साहू, रोशनी साहू,दीपक ओगरे, पदमा ओगरे, गोविन्द मानिकपुरी, रियांश साहू और ग्रामीणो की उपस्थिति रही।

नकटी विवाद: लोक भवन घेरने निकले साहू समाज के पदाधिकारी और कांग्रेसी, पुलिस से हल्की झड़प

रायपुर। नकटी गांव में लगातार विरोध-प्रदर्शन के बाद इस बार गांव के लोगों को साहू समाज का समर्थन मिला। बुधवार को प्रदेश साहू संघ, नकटी गांव के रहवासी और कांग्रेसी लोकभवन घेरने के लिए देवपुरी के गांधी मैदान में एकजुट हुए। वहां समाज और कांग्रेस के प्रमुख पदाधिकारियों ने मंच से बारिश में तोड़फोड़ का सख्त विरोध किया। उन्होंने कहा कि गांव के लोग बेघर हो गए। बच्चे परीक्षा नहीं दे पाए, लेकिन सरकार ने आज तक किसी की भी सुध नहीं ली।

मैदान से सभी लोग एक साथ

लोकभवन के लिए निकले। लेकिन कमल विहार के पास ब्रिज के नीचे ही पुलिस ने बेरीकेड लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। इस बीच प्रदर्शनकारी लोकभवन पहुंचकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने की मांग करते रहे, लेकिन अधिकारियों ने साफ कह दिया कि 5 से अधिक लोगों को जाने नहीं दिया जाएगा। इस बीच पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हल्की झड़प हुई। हालांकि किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया गया। प्रदर्शन में कांग्रेस के ग्रामीण जिलाध्यक्ष पप्पू बंजारे, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, पूर्व अध्यक्ष पंकज शर्मा, रायपुर संभागीय साहू समाज के पूर्व अध्यक्ष जयंत साहू शामिल थे।

समाज व ग्रामीणों की राज्यपाल से मांग

नकटी गांव में ही पीड़ितों के फिर मकान बनाकर दिए जाएं।

पीड़ितों के तमाम लोन माफ किया जाए। क्षतिपूर्ति भी दी जाए।

पीएम आवास योजना से बने आवास को दोबारा लोन दें।

सरकारी योजना के जिन मकानों को तोड़ा गया उसकी जांच हो।

गांव में बुलडोजर से कई गौमाता की मौत की भी जांच हो।

दोषी अफसरों पर कार्रवाई हो। ग्रामीणों की एफआईआर रद्द हो।

NEET छात्रों के लिए बड़ी राहत! अब छत्तीसगढ़ के 4 मेडिकल कॉलेजों में बनेगा दिव्यांग सर्टिफिकेट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर एमबीबीएस के ऑल इंडिया कोटे के तहत प्रवेश लेने वाले दिव्यांग छात्रों के लिए बड़ी राहत की खबर है। नेशनल मेडिकल कमीशन ने छत्तीसगढ़ के एम्स रायपुर, पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज रायपुर, सिम्स बिलासपुर और मेडिकल कॉलेज जगदलपुर को दिव्यांग प्रमाणपत्र जारी करने की मान्यता दे दी है। यह सुविधा इसी शैक्षणिक सत्र से लागू होगी। इससे अब प्रदेश के छात्रों को दिव्यांग प्रमाणपत्र बनवाने के लिए दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

All India Quota MBBS: अब नहीं लगानी होगी दूसरे राज्यों की दौड़: अब तक देश के केवल 12 मेडिकल कॉलेजों में ही दिव्यांग प्रमाणपत्र जारी करने की सुविधा उपलब्ध थी। छत्तीसगढ़ के छात्रों को इसके लिए चेन्नई, जबलपुर समेत अन्य शहरों में जाना पड़ता था। इससे समय और आर्थिक दोनों तरह की परेशानी होती थी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद यह प्रक्रिया अब प्रदेश में ही पूरी हो सकेगी।

रायपुर में माता सीता पर अभद्र टिप्पणी से बवाल : मुस्लिम युवक के खिलाफ बजरंग दल पहुंचा थाना, मुर्दाबाद के लगाए नारे; पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

रायपुर। राजधानी रायपुर में सोशल मीडिया पर माता सीता और साधु-संतों के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी किए जाने का मामला सामने आया है।

इसको लेकर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और सिविल लाइन थाने पहुंचकर आरोपी युवक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने आरोपी के खिलाफ मुर्दाबाद के नारेबाजी भी की। पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी का नाम वसीम पुलिस द्वारा बताया जा रहा है।

बजरंग दल के पदाधिकारियों का आरोप है कि इंस्टाग्राम आईडी '_wasim_ahmed_v' से एक पोस्ट के जरिए माता सीता और हिंदू साधु-संतों के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की गई।

संगठन का दावा है कि यह अकाउंट रायपुर के राजा तालाब क्षेत्र निवासी वसीम अहमद का है। हालांकि, पुलिस की ओर से अभी तक अकाउंट की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

संगठन के कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस तरह की पोस्ट से हिंदू

समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

उन्होंने पुलिस प्रशासन से आरोपी के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने आरोपी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

बजरंग दल ने प्रशासन को सौंपे गए ज्ञापन में चेतावनी दी है कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन आंदोलन तेज करेगा। वहीं, पुलिस ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट की जांच की जा रही है। संबंधित इंस्टाग्राम अकाउंट, पोस्ट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों का परीक्षण किया जाएगा।

अब पढ़े बजरंग दल के पदाधिकारियों ने क्या कहा

छत्तीसगढ़ बजरंग दल के प्रांत सह संयोजक विजेंद्र वर्मा ने कहा, कि हिंदू धर्म को टारगेट किया जा रहा है। भारत में रहकर हिंदू धर्म को टारगेट करना घृणित काम है।

आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। 24 घंटे में कार्रवाई नहीं होने पर छत्तीसगढ़ बजरंग अपने स्तर पर कार्रवाई करेगा।

लाभार्थियों के लिए बड़ी खुशखबरी, अब 300 रुपये प्रतिदिन मिलेगी मजदूरी

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत अपना पक्का घर बना रहे हजारों हितग्राहियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्य में श्रम करने वाले हितग्राहियों की दैनिक मजदूरी बढ़ाकर 300 रुपये प्रतिदिन कर दी है। राज्य कार्यालय द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर सभी जिलों को सूचना प्रेषित कर दी गई है। नई दर लागू होने से प्रदेश के लाखों ग्रामीण परिवारों को आर्थिक राहत मिलेगी और उन्हें आवास निर्माण कार्य में अतिरिक्त सहयोग प्राप्त होगा। दरअसल, विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (वीबीजीरामजी) के तहत प्रदेश में 1 जुलाई 2026 से अकुशल श्रमिकों की दैनिक मजदूरी 300 रुपये निर्धारित कर दी गई है। इससे पहले मनरेगा के अंतर्गत कार्य करने वाले श्रमिकों को प्रतिदिन 261 रुपये की मजदूरी मिलती थी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद मजदूरी दर में सीधे 39 रुपये प्रतिदिन की वृद्धि हुई है।

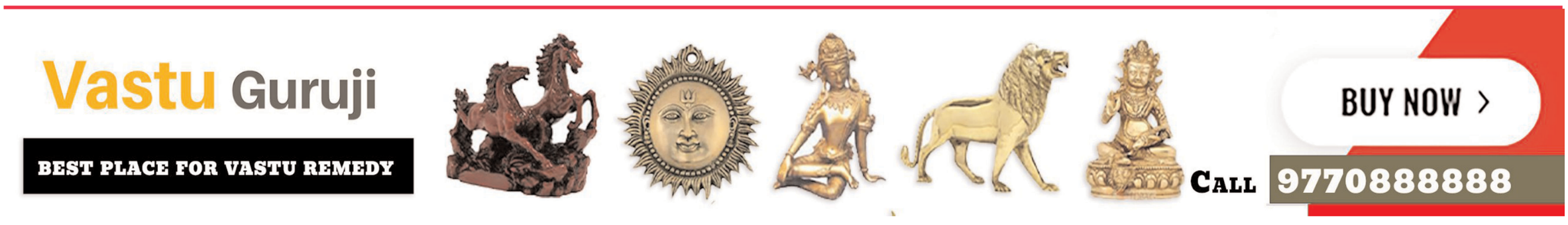

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज कार्यक्षेत्र में धैर्य और समझदारी से काम लेना आपके लिए सबसे अधिक लाभदायक रहेगा। किसी भी कार्य में जल्दबाजी करने से छोटी-सी गलती भी बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मधुर संबंध बनाए रखें, क्योंकि टीमवर्क से ही आपको सफलता मिलेगी। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

वृषभ। नवपंचम राजयोग के प्रभाव से आज का दिन आर्थिक दृष्टि से काफी शुभ रहने वाला है। पुराने निवेश से अच्छा लाभ मिलने की संभावना है और रुका हुआ धन भी वापस मिल सकता है। व्यापार से जुड़े लोगों को नए अवसर प्राप्त होंगे, जिससे आय में वृद्धि के संकेत हैं। नौकरीपेशा लोगों को भी मेहनत का उचित फल और अधिकारियों की सराहना मिल सकती है।

मिथुन। आज व्यापार और करियर से जुड़े मामलों में नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं। यदि लंबे समय से किसी नई योजना पर काम कर रहे हैं तो उसमें सफलता मिलने के संकेत हैं। मित्रों या पुराने परिचितों से मुलाकात लाभदायक साबित होगी और उनके सहयोग से कोई महत्वपूर्ण कार्य पूरा हो सकता है। अपनी वाणी पर संयम रखें, क्योंकि कठोर शब्द रिश्तों में दूरी पैदा कर सकते हैं।

कर्क। बुध के शुभ गोचर का प्रभाव आज आपके मन को शांति और स्थिरता प्रदान करेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यक्षमता बढ़ेगी और व्यापार से जुड़े लोगों को भी अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। यदि किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। हालांकि खर्चों पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा, क्योंकि अनावश्यक खर्च भविष्य की योजनाओं को प्रभावित कर सकते हैं।

सिंह। आज आपका आत्मविश्वास चरम पर रहेगा और इसी के बल पर आप कठिन से कठिन कार्य भी आसानी से पूरे कर पाएंगे। लंबे समय से रुके हुए कार्यों में गति आएगी और करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त होंगे। कार्यस्थल पर आपकी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी, जिससे मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और आय बढ़ाने के नए रास्ते खुल सकते हैं।

कन्या। आज आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने की आवश्यकता है। मौसम में बदलाव या अनियमित दिनचर्या के कारण थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है, इसलिए आराम और संतुलित भोजन को प्राथमिकता दें। यदि लंबी यात्रा की योजना बना रहे हैं तो पूरी तैयारी के साथ ही निकलें। आर्थिक मामलों में किसी भी प्रकार के लेन-देन को सोच-समझकर करें और जल्दबाजी से बचें।

तुला। शुक्र के शुभ प्रभाव से आज आपके रिश्तों में मधुरता और प्रेम बढ़ेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा तथा जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली की सराहना होगी और आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत दिखाई देगी। यदि किसी नए निवेश की योजना बना रहे हैं तो अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें।

वृश्चिक। आज का दिन आपके लिए सफलता और उपलब्धियों से भरपूर रहेगा। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी और कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का उचित सम्मान मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन, नई जिम्मेदारी या पदोन्नति के संकेत मिल सकते हैं। व्यापार से जुड़े लोगों के लिए भी लाभ के नए अवसर बनेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी तथा प्रियजनों का सहयोग मिलेगा।

धनु। आज शिक्षा, संतान और रचनात्मक कार्यों के लिहाज से दिन बेहद शुभ रहेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता मिलने के संकेत हैं तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लोगों को शुभ समाचार मिल सकता है। संतान पक्ष से कोई अच्छी खबर मिलने से परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा और रचनात्मक सोच की सराहना होगी। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी और आय बढ़ाने के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

मकर। शनि के नवपंचम राजयोग का प्रभाव आज आपके करियर और आर्थिक जीवन में विशेष सफलता लेकर आ सकता है। लंबे समय से रुका हुआ धन मिलने की संभावना है और नई योजनाओं से अच्छा लाभ प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। व्यापार में विस्तार के नए अवसर मिलेंगे और आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन काम के साथ आराम भी जरूरी है।

कुंभ। आज आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। बाहर का भोजन करने से बचें और स्वच्छ व संतुलित आहार अपनाएं। कार्यक्षेत्र में धैर्य और समझदारी से निर्णय लें तथा किसी भी विवाद में पड़ने से बचें। आर्थिक मामलों में स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना बेहतर होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और प्रियजनों के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अधिक एकाग्रता रखने की जरूरत होगी।

मीन। आज भाग्य आपके पक्ष में रहेगा और हर कार्य में सफलता मिलने के अच्छे संकेत हैं। निवेश, व्यापार और आर्थिक मामलों के लिए दिन काफी अनुकूल माना जा रहा है। यदि किसी नई योजना पर काम शुरू करना चाहते हैं तो समय आपके पक्ष में रहेगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आपकी मेहनत का उचित सम्मान होगा। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा तथा जीवनसाथी का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित व्यायाम और संतुलित भोजन को नजरअंदाज न करें। विद्यार्थियों के लिए दिन अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग बना रहा है।

नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में 14 विधायक छात्रों से मिले

पैसे देकर अफसर बनने वाले 30 साल तक फैलाएंगे करप्शन का रायता : बाबूलाल

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में भाजपा के विधायकों ने बुधवार को जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम जाकर आंदोलनरत छात्रों से मुलाकात की। इस दौरान बाबूलाल मरांडी ने छात्रों की मांगों का समर्थन करते हुए जेपीएससी और जेएसएससी की सभी विवादित परीक्षाओं को रद्द करने और पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की पुरजोर मांग उठाई।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा ?कि जो लोग आज पैसे देकर नौकरी खरीदेंगे, वे अगले 30 साल तक झारखंड में करप्शन का रायता फैलाएंगे। वे राज्य को लूटकर पूरी तरह खोखला कर देंगे। इस गलत परिपाटी को हर हाल में खत्म करना होगा। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि छात्रों की सभी मांगें पूरी तरह से जायज हैं। भाजपा सड़क से लेकर विधानसभा सदन तक छात्रों के साथ मजबूती से खड़ी है और इस मुद्दे को विधानसभा में जोरदार तरीके से उठाएगी।

मुलाकात के दौरान भाजपा विधायक सीपी सिंह, नवीन जायसवाल, मनोज यादव, नागेंद्र महतो, डॉ. नीरा यादव, आलोक चौरसिया, देवेंद्र कुंवर, अमित यादव, शत्रुघ्न महतो, उज्ज्वल दास, मंजू कुमारी, प्रदीप प्रसाद, पूर्णिमा साहू वहां मौजूद रहे। आजसू विधायक निर्मल महतो भी उपस्थित थे। अन्य वरिष्ठ नेताओं में प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही, प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी, रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू सहित कई अन्य पदाधिकारी शामिल थे। बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार और भर्ती एजेंसियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि झारखंड में यह केवल पेपर लीक का मामला नहीं है, बल्कि जेपीएससी और जेएसएससी के जरिए खुलेआम नौकरियां बेची गई हैं। केवल 14वीं जेपीएससी ही नहीं, बल्कि जेएसएससी सीजीएल, उत्पाद सिपाही भर्ती सहित पिछले 6 सालों में आयोजित सभी परीक्षाओं में भारी अनियमितता हुई है।

उत्पाद सिपाही भर्ती में तमाड़ में चुने हुए अभ्यर्थियों को सवाल रटवाए गए थे। इससे पहले भी जेएसएससी द्वारा पैसे लेने वाले अभ्यर्थियों को बिहार, नेपाल और रांची में 120 प्रश्नों के उत्तर रटवाए गए थे, जो परीक्षा में हु-ब-हु पूछे गए। जेपीएससी की परीक्षा का कट-ऑफ मार्क्स पहले जारी नहीं किया गया। हाईकोर्ट की फटकार के बाद जब जारी हुआ, तो पता चला कि असफल छात्रों के नंबर चयनित अभ्यर्थियों से अधिक थे।

सरकार की संवेदनशीलता पर सवाल उठाए : नेता प्रतिपक्ष ने सरकार की संवेदनशीलता पर भी सवाल उठाया और कहा कि इस कड़कड़ाती बारिश में छात्र विषम परिस्थितियों में डटे हैं, लेकिन सरकार और प्रशासन नियम-कायदों की आड़ में उन्हें परेशान कर रहा है। मौके पर उन्होंने छात्रों की समस्याओं पर भी बात की।

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि छात्रों के आंदोलन पर जाने से पहले ही सरकार ने कार्रवाई शुरू कर दी थी। जेपीएससी मामले की सीआईडी जांच चल रही है और दोषियों को सजा दिलाने के लिए सरकार को मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार लीक-प्रूफ परीक्षा प्रणाली और तय परीक्षा कैलेंडर लागू करने की दिशा में गंभीरता से काम कर रही है। दीपिका ने कहा कि छात्रों की चिंताएं पूरी तरह जायज हैं और सरकार उनके आंदोलन को दोष नहीं देती। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग राजनीतिक रोटियां सेंकने की कोशिश कर रहे हैं।

सदर में अल्ट्रासाउंड के लिए इंतजार:सिर्फ दो मशीनों से रोज 75-80 जांच, गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों का इलाज हो रहा प्रभावित

झारखंड। राजधानी के सदर अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीनों की कमी मरीजों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। सदर अस्पताल में रोज लगभग 200 से 250 मरीजों की अल्ट्रासाउंड जांच के लिए पर्ची कटती है। जिसमें केवल 75 से 80 की ही जांच हो पाती है। बाकी को डेट दे दिया जाता है।

जांच के लिए आने वाले मरीजों को 7 दिन से लेकर दो महीने बाद तक की तारीख दी जा रही है। समय पर जांच नहीं होने से इलाज प्रभावित हो रहा है, जबकि कई मरीज मजबूरी में निजी जांच केंद्रों पर अधिक खर्च कर अल्ट्रासाउंड कराने को विवश हैं। सदर अस्पताल में गायनेकोलॉजी, जनरल सर्जरी, मेडिसिन, यूरोलॉजी, इमरजेंसी और ऑर्थोपेडिक्स विभाग से बड़ी संख्या में मरीज अल्ट्रासाउंड जांच के लिए पहुंचते हैं। लेकिन अस्पताल में केवल दो

अल्ट्रासाउंड मशीनें होने के कारण प्रतिदिन सिर्फ 75 से 80 जांच ही हो पा रही हैं। इसके चलते मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

सबसे अधिक परेशानी गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को हो रही है। कई मरीजों को 7 दिन, 10 दिन, जबकि कुछ को दो महीने बाद की तारीख दी जा रही है। समय पर जांच नहीं होने से इलाज में भी देरी हो रही है। ऐसे में कई मरीज निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों का सहारा लेने को विवश हैं, जहां उन्हें अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है।

तीन दिन में अल्ट्रासाउंड जांच के लिए 650 से अधिक मरीज पहुंचे सदर अस्पताल

तारीख मरीज कितने कितने आए जांच लौटे 3 अगस्त 210 78 132 4 अगस्त 220 75 145 5 अगस्त 230 82 148

(नोट : बाहर में अल्ट्रासाउंड की सामान्य जांच के लिए मरीज को 1000 से 1500 रु. तक का करना पड़ता है।)

क्या कहते हैं मरीज

संतोषी कुमारी (गर्भवती महिला): 25 जुलाई को डॉक्टर ने अल्ट्रासाउंड कराने को कहा था, लेकिन सात अक्टूबर की तारीख मिली है।

वीरेंद्र कुमार: पेट की समस्या से परेशान हूं। लंबी लाइन में घंटों खड़े रहने के बाद भी 7 अगस्त की तारीख मिली। यह व्यवस्था चिंता का विषय है।

सिमरन: काफी देर लाइन में खड़ी रही, लेकिन 10 दिन बाद की तारीख मिली। जल्द इलाज के लिए अब मजबूरी में निजी केंद्र पर जांच करानी पड़ेगी।

सदर अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ी है। यही कारण है कि दो पाली सुबह 9 बजे से 3 और शाम के 3 से 6 बजे तक जांच होती है। गर्भवती को अल्ट्रासाउंड जांच के लिए ज्यादा दिनों का नंबर देना मेरी जानकारी में नही हैं, अगर ऐसा है तो उस पर तुरंत संज्ञान लिया जाएगा।

नगर निगम ने कॉमर्शियल बिल्डिंग का नक्शा पास किया: हाईकोर्ट का जमीन मालिक, निगम के टाउन प्लानर व बिल्डर को नोटिस

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने बुधवार को कचहरी रोड स्थित विवादित जमीन पर कॉमर्शियल बिल्डिंग के लिए स्वीकृत नक्शे को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। अदालत ने जमीन मालिक, बिल्डर और रांची नगर निगम के टाउन प्लानर संजीव कुमार को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। साथ ही निगम को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

प्रार्थी मनोज कुमार साहू व अन्य की ओर से वकील सुमित गाड़ोदिया ने कोर्ट को बताया कि निगम ने 15 दिसंबर 2025 को कचहरी रोड स्थित आरएस प्लॉट संख्या 12 और 15 पर कॉमर्शियल बिल्डिंग के निर्माण के लिए नक्शा स्वीकृत किया था।

रांची नगर निगम में नियमों की व्याख्या हर मामले में एक जैसी नहीं होती। छोटे भवनों के मामलों में जमीन के दस्तावेजों में आपत्तियां लगाकर फाइलें लंबे समय तक रोकी जाती हैं, जबकि बड़े प्रोजेक्ट्स में नियमों की व्याख्या अपेक्षाकृत उदार तरीके से की जाती है। इसी तरह लैंड यूज से जुड़े प्रावधानों के पालन को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। आरोप है कि कुछ मामलों में नियमों की ऐसी व्याख्या की जाती है, जिससे बड़े बिल्डरों को लाभ मिलता है।

अब प्रखंड स्तर पर बनेगा 10 बेड का टेली-आईसीयू: पतराहातू के अस्पताल के लिए 62.76 लाख रुपए जारी

रांची। झारखंड सरकार राज्य में क्रिटिकल केयर नेटवर्क का लगातार विस्तार कर रही है। जिला अस्पतालों में टेली-आईसीयू के तहत 10 बेड आईसीयू की सफलता के बाद अब इसकी पहुंच प्रखंड स्तर तक बढ़ाई जा रही है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य विभाग ने सिल्ली प्रखंड स्थित पतराहातू में 10 बेड वाले अस्पताल भवन के निर्माण के लिए 62.76 लाख रुपए जारी कर दिए गए हैं। यह राशि वित्तीय वर्ष 2026-27 की राज्य योजना के तहत स्वीकृत की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस परियोजना की कुल प्रशासनिक स्वीकृति 4.54 करोड़ रुपए की है। इसमें 3.91 करोड़ रुपए पहले ही आवंटित किए जा चुके थे। अब निर्माण कार्य को गति देने के लिए 62.76 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि जारी की गई है। भवन निर्माण की जिम्मेदारी झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम को सौंपी गई है। स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य अब गंभीर मरीजों को इलाज के लिए जिला मुख्यालय या रांची रेफर करने की मजबूरी कम करना है। इसी रणनीति के तहत प्रखंड स्तर पर भी आधुनिक स्वास्थ्य ढांचा विकसित किया जा रहा है। पतराहातू में बनने वाला 10 बेड का अस्पताल इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस अस्पताल के बनने से सिल्ली, अनगड़ा और आसपास के ग्रामीण इलाकों के गंभीर मरीजों को तत्काल प्राथमिक उपचार मिल सकेगा। इससे जिला अस्पतालों और रिम्स पर मरीजों का दबाव कम होगा। गंभीर मरीजों को जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह भी मिल सकेगी।

राज्य में वर्तमान में रांची सदर अस्पताल, गुमला सदर अस्पताल, लातेहार सदर अस्पताल, चतरा सदर अस्पताल और खूंटी सदर अस्पताल में 10 बेड टेली-आईसीयू की सुविधा संचालित है। इन सभी केंद्रों की निगरानी राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान रांची (रिम्स) से विशेषज्ञ डॉक्टर कर रहे हैं। पिछले छह महीनों में इस नेटवर्क के माध्यम से 4 हजार से अधिक गंभीर मरीजों का उपचार किया जा चुका है। ये सभी मरीज गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन विशेषज्ञों की निगरानी और समय पर उपचार मिलने से 80 प्रतिशत से ज्यादा मरीज स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं।

प्लांट के तीन पदाधिकारियों से 14 घंटे पूछताछ, कई दस्तावेज जब्त, ईसीआईआर दर्ज कर जांच शुरू

जमशेदपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गैंगस्टर अखिलेश सिंह से जुड़े कथित वित्तीय नेटवर्क की जांच के क्रम में फिर कार्रवाई की है। सूत्रों के अनुसार, हरियाणा के रोहतक स्थित विक्रम उद्योग प्रालि. के बीयर फैक्ट्री बॉटलिंग एवं पैकेजिंग प्लांट पर ईडी ने दबिश दी है। बताया जा रहा है कि इस प्लांट का संचालन वर्तमान में दुमका जेल में बंद माफिया डॉन अखिलेश सिंह की देखरेख में हो रहा है। रांची में ईडी ने इस मामले में पहले ही ईसीआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

जांच एजेंसी को संदेह है कि पिछले एक वर्ष के दौरान करीब 150 करोड़ रुपए के कथित हवाला लेनदेन का नेटवर्क विक्रम उद्योग प्रालि. के बीयर फैक्ट्री

बॉटलिंग एवं पैकेजिंग प्लांट से संचालित किया गया। इसके बाद दो दिनों पहले वहां ईडी की रेड हुई। जांच में कुछ विशेष नोट नंबरों के आधार पर वित्तीय लेनदेन की पड़ताल की जा रही है। ईडी के अधिकारियों ने प्लांट के पदाधिकारी प्रवीण सिंह, समीर रजक और रवि जायसवाल से 14 घंटे तक लगातार पूछताछ की। इस दौरान ईडी ने जरूरी दस्तावेज, बैंक लेनदेन का प्रूफ और मोबाइल जब्त किया है।

यह कार्रवाई 13 फरवरी 2026 को देहरादून के मॉल की सीढ़ियों पर विक्रम शर्मा हत्याकांड के बाद इस नेटवर्क के खिलाफ ईडी की पहली बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। जांच एजेंसी कथित हवाला नेटवर्क के तार हरियाणा के अलावा पंजाब के लुधियाना और छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर कोल ब्लॉक क्षेत्र तक जुड़े होने की भी जांच कर रही है।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

1	9	4		2			5	8
3				8	4			
6			3					
9	4	3	7		1	2	8	6
7		2		3	8	5	9	
				9	6			4
2					3		1	5
					9		4	
	1			6				3

पिछले अंक का उत्तर

1	3	7	4	8	2	6	5	9
8	5	9	6	7	1	3	2	4
6	2	4	5	9	3	7	8	1
2	9	6	1	5	4	8	3	7
3	4	8	2	6	7	1	9	5
7	1	5	9	3	8	4	6	2
9	6	3	7	4	5	2	1	8
4	8	1	3	2	9	5	7	6
5	7	2	8	1	6	9	4	3

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते निकाले चर्चे समायत के,
कि गिरते संभलते हम खुद ही खुद में हारे पास आए हैं।।

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र से पहले स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने की सर्वदलीय बैठक

रांची। मानसून की बेरुखी से सूखते खेत और रोजगार की आस में सड़कों पर उतरे युवाओं के आक्रोश के बीच गुरुवार (6 अगस्त 2026) से षष्ठम झारखंड विधानसभा का षष्ठम (मानसून) सत्र शुरू हो रहा है। महज पांच कार्य दिवसों वाला यह सत्र बेहद छोटा है, लेकिन इसके काफी हंगामेदार होने के पूरे आसार हैं। सत्र के सुचारू, सफल और गरिमापूर्ण संचालन को लेकर विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो की अध्यक्षता में गुरुवार को स्पीकर कक्ष में एक उच्चस्तरीय सर्वदलीय बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी शामिल हुए। इनके अलावा विधायक प्रदीप यादव, सुरेश पासवान, अरूप चटर्जी, जयराम कुमार महतो, निर्मल महतो समेत कई प्रतिनिधि मौजूद रहे। अध्यक्ष ने सभी दलों से संसदीय मर्यादा बनाए रखने और सकारात्मक सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सत्र छोटा होने के बावजूद जनहित में समय का पूरा सदुपयोग होना चाहिए।

दूसरा टेस्ट: पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया: सीरीज 1-1 से बराबर; शफीक ने शतक लगाया, साजिद के 8 विकेट

पोर्ट ऑफ स्पेन। पाकिस्तान ने त्रिनिदाद एंड टोबैगो के पोर्ट ऑफ स्पेन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबरी पर खत्म हुई। पहला टेस्ट वेस्टइंडीज ने 90 रन से जीता था। क्वीन्स पार्क ओवल मैदान पर खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 344 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान ने 387 रन बनाए और 43 रन की बढ़त हासिल की। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी 117 रन पर सिमट गई और पाकिस्तान को 75 रन का टारगेट मिला।

मैच के चौथे दिन पाकिस्तान ने 2 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। पहली पारी में नाबाद 160 रन बनाने वाले शफीक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

वेस्टइंडीज ने तीसरे दिन के स्कोर 103/6 से आगे खेलना शुरु किया। टीम ने बिना रन जोड़े केमार रोच (0) का विकेट गंवा दिया। उन्हें लेफ्ट आर्म स्पिनर अली उस्मान ने क्लीन बोल्ड किया। इसके बाद मोहम्मद अली ने जस्टिन ग्रीव्स (3 रन) को बोल्ड किया। फिर उस्मान ने शमार जोसफ (9 रन) को मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच आउट कराकर पारी समेट दी। ब्रेंडन किंग चोट की वजह से बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे।

स्पिनर साजिद ने दोनों पारियों में 4-4 विकेट लिए। तीसरे दिन का आखिरी सत्र मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाजों ने बढ़त खत्म कर दी थी। हालांकि स्पिनर साजिद खान और अली उस्मान ने लगातार विकेट लेकर चटकाए।

साजिद ने तेजनारायण चंद्रपॉल को **LBW** आउट कर पहली सफलता दिलाई। इसके बाद उन्होंने शाई होप और नाइटवॉचमैन जेडन सील्स को भी पवेलियन भेजा। वहीं अली उस्मान ने दिन की आखिरी गेंद पर रोस्टन चेज का अपनी ही गेंद पर कैच लपककर वेस्टइंडीज को छठा झटका दिया।

शफीक के 160 रन से पाकिस्तान को मिली बढ़त

इससे पहले पाकिस्तान की पहली पारी 387 रन पर सिमट गई। सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक ने शानदार 160 रन बनाए और टीम को पहली पारी में 43 रन की अहम बढ़त दिलाई।

हालांकि, तीसरे दिन के पहले सत्र में पाकिस्तान ने जल्दी-जल्दी विकेट गंवा दिए। बाबर आजम 88 रन पर रन आउट हो गए। इसके बाद डेब्यू कर रहे अजान जफर बिना खाता खोले आउट हुए, जबकि सलमान आगा भी शून्य पर पवेलियन लौट गए। पाकिस्तान ने 5 रन के भीतर 3 अहम विकेट गंवा दिए।

इसके बाद मोहम्मद रिजवान (22 रन) और साजिद खान (20 रन) ने उपयोगी पारियां खेलकर टीम की बढ़त 43 रन तक पहुंचाई।

वेरीकन ने लिए 6 विकेट

वेस्टइंडीज की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वेरीकन सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 42 रन देकर 6 विकेट लिए। वॉरीकन ने उबैद शाह और मोहम्मद अली को लगातार गेंदों पर आउट किया, हालांकि वह हैट्रिक से चूक गए। उनकी शानदार गेंदबाजी की बदौलत ही वेस्टइंडीज पाकिस्तान को पहली पारी में बड़ी बढ़त लेने से रोक सका।

बिजनेस न्यूज

शेयर बाजार में मिला-जुला रुख, सेंसेक्स 150 अंक चढ़ा, निफ्टी मामूली फिसला; आईटी और ऑटो शेयरों पर निवेशकों की नजर

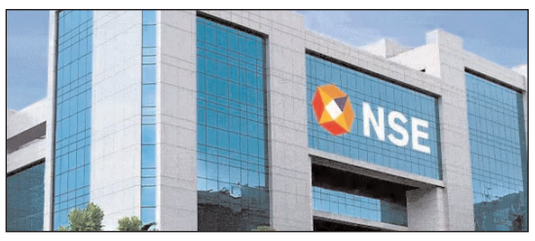

मुंबई। गुरुवार, 6 अगस्त को घरेलू शेयर बाजार में मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 150 अंक (0.20 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 78,700 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 10 अंक (0.04 प्रतिशत) की मामूली गिरावट के साथ 24,600 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। दोनों प्रमुख सूचकांकों की अलग-अलग चाल से स्पष्ट है कि निवेशक फिलहाल चुनिंदा शेयरों में ही खरीदारी कर रहे हैं।सेक्टरवार प्रदर्शन की बात करें तो आईटी और ऑटो शेयर निवेशकों के फोकस में रहे। शुरुआती कारोबार में आईटी कंपनियों के शेयरों में कमजोरी का रुख देखा गया, जबकि ऑटो सेक्टर के शेयरों में निवेशकों की अच्छी दिलचस्पी बनी रही। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि तिमाही नतीजों, वैश्विक आर्थिक संकेतों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों का असर अलग-अलग सेक्टरों पर दिखाई दे रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी नीतियों, वैश्विक बाजारों की चाल, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (स्नढ्ढढ्ढ) के निवेश पर निवेशकों की नजर बनी हुई है। इन कारकों के आधार पर आने वाले कारोबारी सत्रों में बाजार की दिशा तय हो सकती है।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल निवेशकों को गुणवत्ता वाले शेयरों में दीर्घकालिक निवेश की रणनीति अपनानी चाहिए। अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बीच मजबूत कंपनियों के शेयर बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं।

सोने की कीमत 2,735 बढ़कर 1.48 लाख हुई: 6 दिन में 5,501 दाम बढ़ चुके; चांदी आज 931 बढ़कर ?2.25 लाख पर पहुंची

सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 6 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,735 रुपए बढ़कर 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

एक किलो चांदी की कीमत 931 रुपए बढ़कर 2.25 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस महीने यानी अगस्त में सिर्फ 6 दिन में ही सोना 5,501 और चांदी 7,198 रुपए महंगी हो चुकी है।

सोने-चांदी के दाम में तेजी के प्रमुख दो कारण

अमेरिकी डॉलर का कमजोर होना: डॉलर के कमजोर पड़ने से डॉलर में कीमत वाली सोना-चांदी विदेशी खरीदारों के लिए सस्ती हो जाती है, जिससे मांग बढ़ती है। इससे भी सोने-चांदी को सपोर्ट मिल रहा है।

ऑलटाइम हाई से काफी नीचे आए सोना-चांदी: 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई पहुंच गए थे। तक से इनकी कीमत काफी नीचे आ चुके हैं, ऐसे में निवेशक इसमें खरीदारी कर रहे हैं।

इस साल सोने में अब तक तेजी रही

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 15 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी की कीमत में 5 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.25 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते है, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

इंतजार खत्म; 156 को मिला उत्कृष्ट खिलाड़ी का दर्जा: आठ साल बाद जारी हुई सूची, सरकारी नौकरी का रास्ता साफ; 783 आवेदन आए थे

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने वर्ष 2018-19 और 2019-20 के लिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। कुल 20 खेलों के 156 खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी का दर्जा दिया गया है।

इस फैसले से न सिर्फ खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों का सम्मान मिलेगा, बल्कि सरकारी नौकरी में आरक्षित पदों पर नियुक्ति का रास्ता भी खुल जाएगा।

प्रदेश के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी वर्ष 2016 से उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित होने का इंतजार कर रहे थे। कई वर्षों तक चयन प्रक्रिया पूरी नहीं होने से खिलाड़ियों को खेल कोटे में मिलने वाली सरकारी नौकरियों का लाभ नहीं मिल पा रहा था।

अब पात्र खिलाड़ियों के नाम राजपत्र में प्रकाशित कर दिए गए हैं, जिससे वर्षों से लंबित प्रक्रिया पूरी हो गई है।

खेल विभाग को दोनों वर्षों के लिए कुल 783 आवेदन मिले थे। इनमें वर्ष 2018-19 के 344 और वर्ष 2019-20 के 439 आवेदन शामिल थे। शुरुआती जांच के बाद 651 आवेदन आगे की प्रक्रिया के लिए योग्य पाए गए।

इसके बाद उच्चस्तरीय समिति ने सभी दावों और उपलब्धियों की समीक्षा की। अंतिम चयन में 20 अलग-अलग खेलों के 156 खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किया गया।

उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित होने के बाद इन खिलाड़ियों को प्रदेश के सरकारी विभागों में खेल कोटे का लाभ मिलेगा। राज्य सरकार ने सरकारी नौकरियों के दो प्रतिशत पद उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए आरक्षित किए हैं।

पिछले कई वर्षों से सूची जारी नहीं होने के कारण इन पदों पर नियुक्तियां प्रभावित हो रही थीं। अब नई सूची जारी होने के बाद रिक्त पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

बैडमिंटन में आकर्षी कश्यप, वेंकट गौरव प्रसाद और जूही देवांगन को उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किया गया है। आर्चरी में धर्मेश गोफने, बिंदेश्वरी मरावी, नित्या धुर्वे, भरत कुमार यादव और आरती मसराम को यह दर्जा मिला है।

इसके अलावा फेंसिंग, हॉकी, कराते, कयाकिंग-कैनोइंग, पैरा एथलेटिक्स, पैरा स्विमिंग, सॉफ्ट टेनिस, वुशू, बास्केटबॉल, हैंडबॉल, नेटबॉल, डेफ स्विमिंग, व्हीलचेयर फेंसिंग और सॉफ्टबॉल समेत कुल 20 खेलों के खिलाड़ियों को सूची में शामिल किया गया है।

इस बार हैंडबॉल, व्हीलचेयर फेंसिंग, सॉफ्टबॉल, बास्केटबॉल और कयाकिंग-कैनोइंग जैसे खेलों से सबसे अधिक खिलाड़ियों का चयन हुआ है। वहीं हॉकी से केवल रेणुका यादव, डेफ स्विमिंग से अतुल जायसवाल और सॉफ्ट टेनिस से आयुषी चौहान को उत्कृष्ट खिलाड़ी का दर्जा मिला है।

क्या है उत्कृष्ट खिलाड़ी का दर्जा?

उत्कृष्ट खिलाड़ी का दर्जा राज्य सरकार उन खिलाड़ियों को देती है जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में निर्धारित मानकों के अनुसार बेहतर प्रदर्शन किया हो।

यह प्रमाणपत्र खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण, भर्ती प्रक्रिया में प्राथमिकता और अन्य सरकारी सुविधाओं का लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अल्कराज कलाई की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से बाहर

दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज कलाई की पुरानी चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से बाहर हो गए हैं। इसके साथ ही साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन में उनके खेलने पर भी सस्पेंस बढ़ गया है। अल्काराज अप्रैल के बाद से कोई मैच नहीं खेल पाए हैं। वे सिनसिनाटी ओपन में अपने खिताब का बचाव करने वाले थे, जिसे स्ओपन की सबसे अहम तैयारी माना जाता है।

टूर्नामेंट डायरेक्टर बोले- जल्द कोर्ट पर लौटें, यही उम्मीद

सिनसिनाटी ओपन के टूर्नामेंट डायरेक्टर बॉब मोरान ने आधिकारिक बयान जारी कर अल्काराज के हटने की पुष्टि की। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने और फिर से मुकाबले खेलने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में सिनसिनाटी में उनका फिर से स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।'

फ्रेंच ओपन और विंबलडन भी नहीं खेल सके

21 साल के स्पेनिश स्टार अल्काराज ने 14 अप्रैल को बार्सिलोना ओपन में अपना आखिरी मुकाबला खेला था। उसी मैच के बाद कलाई की चोट उभरने पर उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। इसके बाद वह फ्रेंच ओपन और पूरा ग्रास-कोर्ट सीजन, जिसमें विंबलडन भी शामिल है, नहीं खेल सके।

वैभव सूर्यवंशी के टेस्ट खेलने की चर्चा पर रहाणे बोले:युवा खिलाड़ी पर दबाव न डालें

भारत के पूर्व क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के टेस्ट करियर को लेकर अपनी राय रखी है। रहाणे का मानना है कि वैभव के टेस्ट करियर को लेकर अभी कोई भी टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट और **IPL** में काफी अंतर है।

रहाणे ने 'स्टिक टू क्रिकेट' पॉडकास्ट पर डेविड लॉयड, फिल टफनेल, एलिस्टेयर कुक और माइकल वॉन के साथ बातचीत में यह बात कही। वैभव को अपना नेचुरल गेम खेलने के लिए और मौके दिए जाने चाहिए।

रहाणे ने 30 जुलाई को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी-20 खेल चुके रहाणे ने इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी कर इस फैसले की जानकारी दी थी।

रहाणे बोले- वैभव पर काफी बातें हो रही

रहाणे ने कहा कि वह वैभव पर दबाव नहीं डालना चाहते क्योंकि लोग पहले ही उनके बारे में काफी चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा- **IPL** में 4-5 ओवर में 70 रन बनाना आसान हो सकता है, लेकिन इंटरनेशनल क्रिकेट में वही लक्ष्य हासिल करना पूरी तरह अलग चुनौती है।

वैभव सूर्यवंशी के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली सीरीज अच्छी नहीं रही थी। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में डेब्यू करने वाले वैभव तीन मैचों में सिर्फ 42 रन ही बना सके थे। हालांकि जिम्बाब्वे दौरे पर उन्होंने वापसी की।

जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने पहले टी-20 में अर्धशतक लगाया। दूसरे मैच में 20 रन बनाए। वहीं आखिरी मैच में 81 रनों की पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप का ड्रॉ जारी:सिंधु का मैच सोफिया से, आयुष वर्ल्ड चैंपियन से भिड़ेंगे; 17 अगस्त से नई दिल्ली में टूर्नामेंट

बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने बुधवार को नई दिल्ली में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप का ड्रॉ जारी किया। चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली में होगी।

पहले दौर में भारत के आयुष शेट्टी का मुकाबला वर्ल्ड चैंपियन और टॉप सीड चीन के शी यू क्वी से होगा। पीवी सिंधु पहले मैच में आयरलैंड की सोफिया नोबल से खेलेंगी। सात्विक-चिराग की जोड़ी को बाई मिला है।

पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ियों का ड्रॉ है। तीनों युगल स्पर्धाओं में 48-48 जोड़ियां हिस्सा लेंगी।

विमेंस सिंगल्स में भी शुरुआती मैच कठिन

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु अपने अभियान की शुरुआत आयरलैंड की सोफिया नोबल के खिलाफ करेंगी। हालांकि, आगे का सफर उनके लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

सिंधु को राउंड ऑफ 16 में चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी और क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वर्दानी का सामना करना पड़ सकता है। सिंधु का ड्रॉ ओलंपिक चैंपियन एन से यंग वाले हाफ में है।

उन्नति हुड्डा अपने वर्ल्ड चैंपियनशिप डेब्यू में म्यांमार की थेट हतार थुजार से भिड़ेंगी। अगर उन्नति तीसरे राउंड से आगे बढ़ती हैं, तो क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला जापान की अकाने यामागुची से हो सकता है।

मेंस सिंगल्स में कई रोमांचक मुकाबले होंगे

मेंस सिंगल्स में 14वीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन पहले राउंड में ऑस्ट्रिया के कॉलिन्स फिलिमोन से खेलेंगे। अगर लक्ष्य क्वार्टर फाइनल तक पहुंचते हैं, तो तीसरे राउंड में उनका सामना दूसरी वरीयता प्राप्त कुनलावुत वितिदसर्न से हो सकता है।

क्वार्टर फाइनल में उनकी टक्कर फ्रांस के एलेक्स लानियर या क्रिस्टो पोपोव से हो सकती है। वहीं, आयुष शेट्टी को पहले राउंड में सबसे कठिन ड्रॉ मिला है।

आयुष का मुकाबला राउंड ऑफ 64 में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी और शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के शी यूकी से होगा। इस सीजन में यह दोनों के बीच तीसरी भिड़ंत होगी, जिसमें शी यूकी का पलड़ा 3-0 से भारी है।

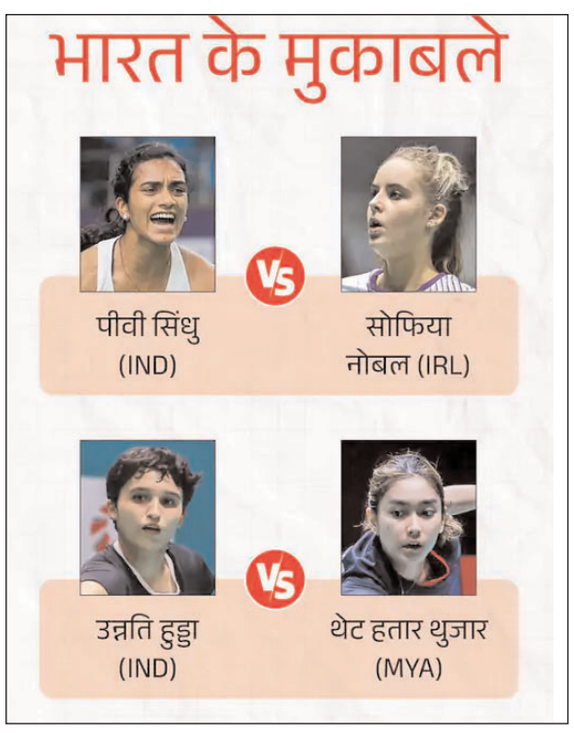

25 एकड़ में धान की खेती, प्रति एकड़ लगभग 7 हजार रुपए की बचत के साथ समय और श्रम की हुई बचत

पैडी ट्रांसप्लांटर से किसान डिकेश्वर साहू ने घटाई लागत, बढ़ाई उत्पादकता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में किसान आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी और किफायती बना रहे हैं। कृषि विभाग के मार्गदर्शन और उन्नत कृषि यंत्रों के उपयोग से खेती में लागत कम होने के साथ उत्पादकता भी बढ़ रही है। इसी दिशा में बालोद जिले के गुण्डरदेही विकासखंड के ग्राम खल्लारी निवासी प्रगतिशील किसान श्री डिकेश्वर कुमार साहू ने पैडी ट्रांसप्लांटर (धान रोपाई मशीन) के उपयोग से खेती में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है।किसान डिकेश्वर साहू लगभग 25 एकड़ भूमि में धान की खेती करते हैं। पहले धान रोपाई के समय उन्हें मजदूरों की कमी और बढ़ती मजदूरी के कारण काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पारंपरिक तरीके से धान की रोपाई कराने पर प्रति एकड़ लगभग 8 हजार रुपये का खर्च आता था। कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के मार्गदर्शन में उन्होंने पहले हाथ से चलने वाला पैडी ट्रांसप्लांटर अपनाया। इससे मिले सकारात्मक परिणामों के बाद उन्होंने इस वर्ष छह लाइन वाला आधुनिक पैडी ट्रांसप्लांटर खरीदा, जिससे खेती और अधिक आसान एवं लाभकारी हो गई। डिकेश्वर साहू ने बताया कि आधुनिक मशीन के उपयोग से धान रोपाई की लागत में उल्लेखनीय कमी आई है। पहले जहां प्रति एकड़ लगभग 8 हजार रुपए खर्च होते थे, वहीं अब मशीन के माध्यम से यह खर्च घटकर लगभग 1 हजार रुपए प्रति एकड़ रह गया है। इस प्रकार उन्हें प्रति एकड़ लगभग 7 हजार रुपए की बचत हो रही है। साथ ही 25 एकड़ में रोपाई का कार्य कम समय में पूरा हो जाने से श्रम और समय दोनों की बचत हो रही है।

पैडी ट्रांसप्लांटर से रोपाई करने पर पौधों के बीच समान दूरी बनी रहती है, जिससे प्रत्येक पौधे को पर्याप्त हवा, पानी और पोषक तत्व मिलते हैं। इसके परिणामस्वरूप फसल का बेहतर विकास होता है और उत्पादन बढ़ने की संभावना भी अधिक रहती है। आधुनिक तकनीक के उपयोग से खेती वैज्ञानिक और अधिक लाभकारी बन रही है। किसान डिकेश्वर साहू ने जिले के अन्य किसानों से भी आधुनिक कृषि यंत्रों का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से किसानों को धान का बेहतर मूल्य मिल रहा है। ऐसे में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और यंत्रीकरण को अपनाकर कम लागत, कम समय और अधिक उत्पादन के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना चाहिए।

डीजी जेल हिमांशु गुप्ता ने बिलासपुर केंद्रीय जेल का किया आकस्मिक निरीक्षण

रायपुर। जेल महानिदेशक (डीजी जेल) हिमांशु गुप्ता द्वारा आज बिलासपुर स्थित केंद्रीय जेल का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया, कैदियों की समस्याएं सुनीं और जेल के सुदृढ़ीकरण तथा कैदियों के कल्याण हेतु विभिन्न आधुनिक सुविधाओं की स्वीकृति प्रदान की।

डीजी जेल ने खुद ली अंग्रेजी की क्लास

निरीक्षण के दौरान डीजी जेल हिमांशु गुप्ता ने एक अनोखी पहल करते हुए कैदियों की अंग्रेजी की क्लास ली और उन्हें पढ़ाई तथा भाषा सुधार से जुड़े महत्वपूर्ण टिप्स दिए। इसके साथ ही उन्होंने कैदियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

जेल को मिलीं ये नई सुविधाएं एवं स्वीकृतियां

जेल में उद्योग संचालन के लिए कलर ऑफसेट प्रिंटिंग मशीन तथा एलईडी बल्ब एवं ट्यूबलाइट निर्माण हेतु मशीन सेटअप की स्वीकृति दी गई। कैदियों की शिक्षा के लिए स्मार्ट बोर्ड तथा जेल लाइब्रेरी के लिए प्रमुख अंग्रेजी समाचार पत्रों (टाइम्स ऑफ इंडिया, इंडियन एक्सप्रेस, हितवाद आदि) की उपलब्धता। कैदियों के लिए 20 नग आरओ वाटर प्यूरीफायर, पाकशाला (रसोई) हेतु ऑटोमेटिक रोटी मेकर मशीन तथा कैदियों के लिए 2,000 थाली सेट की व्यवस्था के निर्देश दिए। महिला जेल परिसर के लिए इन्वर्टर की स्वीकृति शामिल हैं।

इस निरीक्षण के दौरान डीआईजी जेल श्री एस.एस. तिग्गा, जेल अधीक्षक श्री खोमेश मंडावी, जेल चिकित्सक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में बचेली के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

रायपुर। धमतरी में 31 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित 12वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में कोच श्री नंदकिशोर साहू के नेतृत्व में बचेली के पांच खिलाड़ियों ने भाग लेकर उत्कृष्ट कर दंतेवाड़ा जिले का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में श्रुति साहू ने 84 किलोग्राम जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक, शिप्रा बिस्वास ने 84 किलोग्राम सीनियर वर्ग में दो स्वर्ण पदक, दीपाली सरकार ने 84 किलोग्राम सीनियर वर्ग में कांस्य पदक, शोभा बघेल ने 64 किलोग्राम सीनियर वर्ग में कांस्य पदक तथा चितरंजन दास ने 74 किलोग्राम जूनियर वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया।

प्रतियोगिता के दौरान कोच श्री नंदकिशोर साहू को पॉवर लिफ्टिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। बचेली के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर एनएमडीसी, नगर के जनप्रतिनिधियों एवं वेटलिफ्टिंग संघ बचेली के पदाधिकारियों ने सभी विजेता खिलाड़ियों और कोच को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

स्वागत से शुरू होती शिक्षा, खेल-गीतों से संवर रहा नौनिहालों का भविष्य

रायपुर। बच्चों के जीवन के शुरुआती वर्ष उनके भविष्य की दिशा तय करते हैं। इसी सोच को केंद्र में रखकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों को केवल पोषण वितरण केंद्र नहीं, बल्कि प्रारंभिक शिक्षा, संस्कार, स्वास्थ्य और बाल विकास के समग्र केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में नवाचार आधारित गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को सीखने के लिए आनंदमय और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है।

बलरामपुर जिले के स्कूल पारा भनौरा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र ने इस दिशा में एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह केंद्र आज नन्हे बच्चों के लिए सीखने, खेलने, संवाद करने और आत्मविश्वास विकसित करने की पहली पाठशाला बनकर उभरा है।

स्वागत चार्ट से बढ़ रहा आत्मविश्वास

केंद्र की सबसे विशेष पहल स्वागत चार्ट है। केंद्र में आने वाला प्रत्येक बच्चा अपनी पसंद के अनुसार चार्ट पर बने चित्रों में से किसी एक का चयन करता है। इसमें गले मिलना, ताली देना, हाथ मिलाना, मुट्ठी मिलाना, कोहनी मिलाना और नमस्ते जैसे विकल्प शामिल हैं। बच्चा जिस तरीके का चयन करता है, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उसी प्रकार उसका आत्मीय स्वागत करती हैं।

इस छोटी लेकिन प्रभावशाली पहल से बच्चों का संकोच कम हो रहा है, वे स्वयं को सम्मानित और स्वीकार्य महसूस कर रहे हैं तथा केंद्र में प्रवेश करते ही मुस्कुराते हुए गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं। इससे सामाजिक व्यवहार, संवाद कौशल, भावनात्मक अभिव्यक्ति और सकारात्मक सोच का भी विकास हो रहा है।

केंद्र में प्रतिदिन प्रार्थना, स्वागत गीत, समूह गतिविधियां, शैक्षणिक खेल, कहानी-कथन, चित्र पहचान, रंग पहचान, अक्षर और अंक ज्ञान जैसी गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। बच्चों को पारंपरिक रटने की बजाय खेल-आधारित और गतिविधि-आधारित शिक्षण पद्धति से सीखने का अवसर दिया जा रहा है।

गीत, कविता, लय और रचनात्मक खेलों के माध्यम से बच्चे सहजता से नई बातें सीख रहे हैं। इससे उनका मानसिक, भाषाई, सामाजिक और बौद्धिक विकास तेजी से हो रहा है। साथ ही उनमें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, समूह में कार्य करने की आदत और आत्मविश्वास भी विकसित हो रहा है, जो उन्हें विद्यालय में प्रवेश के लिए बेहतर ढंग से तैयार कर रहा है।

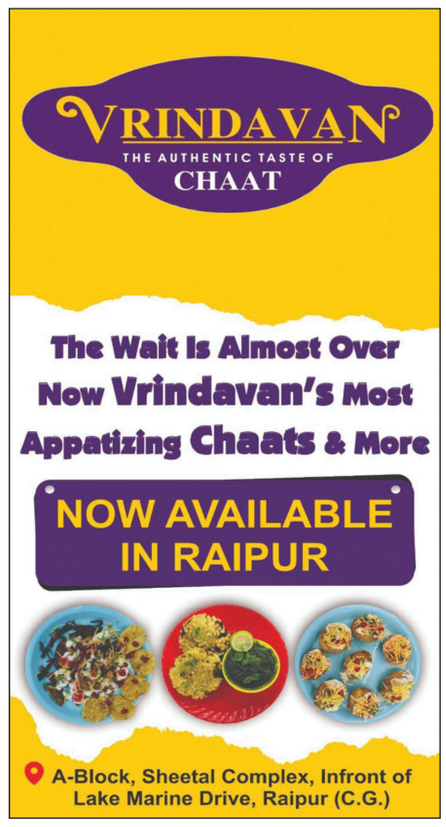

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684